मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, मंगलवार, 29 जुलाई 2025

संवत 2082, श्रावण शुक्ल 5 संवत मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 325 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 ▸▸ नाग पंचमी की पूजा से होती है मनोवांछित फल की प्राप्ति

एकता कपूर संग फिर से काम करना चाहती हैं अंजुम फाकिह ◂◂ 6

देवघर में बड़ा हादसा

गैस सिलेंडर ले जा रहे ट्रक से टकराई बस, 18 कांवड़ियों की मौत

संवाददाता

देवघरः जिले में मंगलवार को भीषण सड़क हादसा हुआ है। जिसमें कम से कम 18 कांवड़ियों की मौत की खबर सामने आ रही है । कई अन्य लोग घायल हुए है। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि कांवड़ियों को ले जा रही एक बस मोहनपुर थाना क्षेत्र के जमुनिया जंगल के पास तड़के करीब साढ़े चार बजे गैस सिलेंडर ले जा रहे एक वाहन से टकरा गई। दुमका क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक शैलेंद्र कुमार सिन्हा ने कहा, देवघर के मोहनपुर थाना क्षेत्र के जमुनिया जंगल के पास कांवड़ियों से भरी 32 सीट वाली बस और गैस सिलेंडर ले जा रहे एक ट्रक के बीच टक्कर हो गई। इस हादसे में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।"

घायलों को अस्पताल भेजा जा रहा है। एक अधिकारी ने बताया कि घायलों में से कई की हालत गंभीर होने के कारण हताहतों की संख्या बढ़ने की आशंका है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन को सूचित कर दिया गया है और घायलों को पास के अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में पहुंचाया जा रहा है। वहीं सांसद निशिकांत दुबे ने ट्वीट किया है कि 'मेरे लोकसभा के देवघर में

देवघर बस हादसे पर मुख्यमंत्री जताया शोक, घायलों के इलाज का दिया भरोसा

रांची : देवघर जिले के मोहनपुर प्रखंड में मंगलवार की सुबह हुए भीषण सड़क हादसे को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गहरा दुख जताया है। यह हादसा श्रावण मास में कांवर यात्रा के दौरान बस और ट्रक के दुर्घटनाग्रस्त होने जमुनिया चौक के पास उस समय हुआ जब कांवड़ियों से भरी बस गैस सिलेंडर लदे ट्रक से टकरा गई।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस के कारण 18 श्रद्धालुओं की मौत हो गई है । बाबा बैद्यनाथ जी उनके घटना को अत्यंत दुखद बताया और एक्स पोस्ट कर हादसे में जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं के प्रति संवेदना व्यक्त की।

उन्होंने कहा, आज सुबह देवघर के मोहनपुर प्रखंड के जमुनिया चौक के पास बस दुर्घटना में बस सवार श्रद्धालुओं की मृत्यु की अत्यंत दुःखद सूचना मिली है। जिला प्रशासन द्वारा राहत और बचाव कार्य के साथ घायलों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। बाबा बैद्यनाथ दुर्घटना में मरने वाले श्रद्धालुओं की आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दुःख की घड़ी सहन करने की शक्ति दे।

परिजनों को दुख सहने की शक्ति प्रदान करें।'

चीन में बारिश ने मचाई भारी तबाही बीते 24 घंटों में 30 लोगों की गई जान

बीजिंगः चीन की राजधानी बीजिंग में भारी बारिश और तूफान से पिछले 24 घंटों के दौरान 30 लोगों की मौत हो गई। बीजिंग नगर निगम के बाढ़ नियंत्रण मुख्यालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सोमवार आधी रात तक आयी भारी बारिश और तूफान में 30 लोगों की मौत हो गई। इनमें से 28 लोग राजधानी के उत्तरी पर्वतीय ज़िले मियुन में बारिश जनित घटनाओं में काल के गाल में समा गये और दो लोगों की मौत यानकिंग में हुई।

स्थानीय अधिकारियों के अनुसार शहर भर में कुल 80,332 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा गया है। सबसे ज्यादा बारिश मियुन में 543।4 मिमी दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि भारी बारिश से 31 सड़कें क्षतिग्रस्त हो गयी और 136 गाँवों में बिजली आपूर्ति बाधित हुई। बीजिंग नगरपालिका बाढ़ नियंत्रण मुख्यालय ने कल रात आठ बजे से अपने शहरव्यापी बाढ़ नियंत्रण आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र के उच्चतम स्तर को सक्रिय कर दिया।अधिकारियों ने जनता को तेज बहाव वाली नदियों से दूर रहने की चेतावनी दी है।

अबुआ आवास योजना के लिए 800 करोड़ की निकासी प्रक्रिया शुरू

रांचीः बेघरों को घर मुहैया कराने की झारखंड सरकार की योजना अबुआ आवास योजना के क्रियान्वयन के लिए पैसों की कमी नहीं होगी। राज्य सरकार के निर्देश पर ग्रामीण विकास विभाग ने अबुआ आवास योजना के लिए 800 करोड़ रुपये की निकासी कोषागार से कराने की कारवाई शुरू की दी है। जल्दी ही सारी प्रक्रिया पूरी कर राशि निकासी की जाएगी। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि इसके तहत अबुआ आवास योजना के सेकेंड व थर्ड किस्त के लिए करीब 500 करोड रुपये का तत्काल आवंटन किया जाएगा। जिलों के डिमांड के अनुसार राशि भेजी जाएगी।

यह बता दें कि राज्य में अबुआ आवास योजना से दो वित्तीय साल 6.50 लाख आवास स्वीकृत किए गये हैं। शुरूआती वित्तीय साल में दो लाख व वित्तीय साल 2024-25 में 4.50 लाख लाभुकों का आवास मंजूर किया गया। इसमें करीब 1.20 लाख आवास का काम पूरा हो चुका है। शेष आवास को पूरा कराने के लिए ही सेकेंड व थर्ड किस्त की राशि देने की प्रक्रिया चल रही है।

नदी से मिला शव

रांचीः रातू थाना क्षेत्र के पाली पंडरा इलाके में मंगलवार को नदी से एक शव मिला है। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कल्याण विभाग के क्लर्क ने की आत्महत्या, सरकारी क्वार्टर में मिला शव

सरायकेलाः सरायकेला जिला कल्याण विभाग में कार्यरत क्लर्क प्रेम चौधरी ने कल सोमवार की देर रात आत्महत्या कर ली। आज मंगलवार की सुबह घर के छत की कड़ी से लटका क्लर्क का शव देख पुलिस को इसकी सूचना दी गयी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतारा और कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सरायकेला भेज दिया।

घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार प्रेम चौधरी जिला कल्याण विभाग में क्लर्क के पद पर कार्यरत थे। वे गेस्ट हाउस कॉलोनी में सरकारी क्वार्टर में रहते थे। उनकी एक पुत्री और एक पुत्र है, जो कहीं बाहर रहकर पढ़ाई करते हैं। वे सरायकेला में अकेले ही रहते थे। सोमवार की रात उन्होंने अपने घर के सभी दरवाजों को खुला छोड़कर छत में लगी कड़ी के सहारे रस्सी से लटक कर अपनी जान दे दी।

बिहार में 65 लाख लोगों के मताधिकार से वंचित होने की आशंका, अब सुप्रीम कोर्ट करेगा हस्तक्षेप

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने बिहार विशेष गहन पुनरीक्षण में 65 लाख मतदाताओं के मतदाता सूची से बाहर होने की आशंकाओं पर मंगलवार को मौखिक रूप से फिर कहा कि यदि ऐसा हुआ तो न्यायालय हस्तक्षेप करेगा। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की ओर से पेश हुए अधिवक्ता प्रशांत भूषण की आशंका पर यह आश्वासन दिया। पीठ के समक्ष अधिवक्ता भूषण ने निर्वाचन आयोग के इस बयान का जिक्र कि 65 लाख लोगों ने पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान गणना फॉर्म जमा नहीं किए हैं। श्री भूषण ने कहा कि इससे उन मतदाताओं के मतदान के अधिकार से वंचित होने की आशंका है। शीर्ष अदालत बिहार विशेष गहन पुनरीक्षण को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई 12 और 13 अगस्त को अगली सुनवाई करने वाली है।

आतंकियों का धर्म देखकर दुखी न हों,अमित शाह ने बताया- ऑपरेशन सिंदूर सरकार ने क्यों रोका?

नई दिल्लीः केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में विपक्ष के हंगामे पर करारा जवाब दिया है। अमित शाह मंगलवार को सदन में ऑपरेशन महादेव पर जानकारी दे रहे थे, जिसमें सेना ने पहलगाम के तीन आतंकियों को मार गिराया। इस दौरान ऐसा मौका भी आया जब विपक्ष शोर मचाने लगा। केंद्रीय गृहमंत्री रुके नहीं बल्कि उन्होंने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को निशाने पर ले दुखी न होने की नसीहत दे डाली।

दरअसल, लोकसभा में अमित शाह के संबोधन के दौरान अखिलेश यादव ने बीच में टिप्पणी की थी। इस पर अमित शाह ने समाजवादी पार्टी के प्रमुख और लोकसभा सांसद अखिलेश को बैठने के लिए कहा। इसके बाद अमित शाह ने कटाक्ष करते हुए कहा कि आप आतंकवादियों का धर्म देखकर दुखी मत होइए। गृह मंत्री ने अपनी बात जारी रखते हुए कहा, यह हमारे देश की सेना और सीआरपीएफ, जम्मू कश्मीर पुलिस की बहुत बड़ी साझा कामयाबी है, जिस पर पूरे देश को नाज होना चाहिए। अमित शाह ने कांग्रेस नेता चिदंबरम की टिप्पणी पर भी लोकसभा में जवाब दिया।

उन्होंने कहा, सोमवार को वे (कांग्रेस) हमसे पूछ रहे थे कि आतंकवादी कहां से आए? मुझे बहुत दुख हुआ कि सोमवार को इस देश के पूर्व गृह मंत्री चिदंबरम जी ने सवाल उठाया कि क्या सबूत है कि ये आतंकी पाकिस्तान से आए थे। गृह मंत्री ने सवाल पूछा, वे क्या कहना चाहते हैं? किसे बचाना चाहते हैं? पाकिस्तान को बचाकर आपको क्या मिलेगा? पी चिदंबरम की टिप्पणी पर लोकसभा में अमित शाह ने कहा, मैं कहना चाहता हूं कि हमारे पास प्रूफ है कि वे तीनों पाकिस्तानी थे। तीन में से दो के पाकिस्तानी वोटर नंबर हमारे पास उपलब्ध हैं। आतंकवादियों के पास राइफलें थीं, और उनके पास मिली चॉकलेट पाकिस्तान में बनी थी। अमित शाह ने विपक्ष को घेरते हुए कहा, ये कहते हैं कि वो पाकिस्तानी नहीं थे। इसका मतलब है कि देश का एक पूर्व गृह मंत्री पूरी दुनिया के सामने पाकिस्तान को क्लीनचिट दे रहा है! उन्होंने कहा कि 23 और 30 अप्रैल को कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की बैठकों में कांग्रेस द्वारा की गई भूल को सुधारने का काम हुआ। भारत ने 6 दशक पुरानी सिंधु जल संधि को रद्द किया। हमने अटारी लैंड ट्रांजिट पोस्ट को तुरंत बंद किया।

हमने सार्क वीजा छूट योजना से खुद को अलग किया और सभी पाकिस्तानियों को देश छोड़ने का आदेश दिया। अमित शाह ने इस दौरान 10 आतंकवादियों के नाम बताए, जिनमें से 8 आतंकियों ने कांग्रेस सरकार के समय हमले किए थे। अमित शाह बोले, पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इन आतंकियों को मारा गया है। उनको चुन-चुनकर सेना ने समाप्त किया है। उन्होंने लोकसभा में जानकारी दी कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत के डीजीएमओ ने पाकिस्तान के डीजीएमओ को बताया कि भारत ने आत्मरक्षा के अपने अधिकार के तहत उनकी जमीन पर आतंकी ढांचे पर हमला किया है। रात 1:26 बजे हमारा ऑपरेशन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इसके तुरंत बाद हमारे डीजीएमओ ने वहां के डीजीएमओ को सीमा पार आतंकवादी ठिकानों के नष्ट होने की सूचना दी।

उपायुक्त की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में बैठक का आयोजन

जिला समाज कल्याण विभाग के योजनाओं की हुई व्यापक समीक्षा

संवाददाता

चतराः समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त कीर्तिश्री की अध्यक्षता में जिला समाज कल्याण विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की गहन समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में योजनाओं की प्रगति, क्रियान्वयन की स्थिति, जमीनी स्तर पर हो रहे कार्यों तथा लंबित बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक में मातृ वंदना योजना की प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए उपायुक्त ने हंटरगंज प्रखंड के सीडीपीओ से स्पष्टीकरण की मांग की, जबकि प्रतापपुर सीडीपीओ का वेतन अगले आदेश तक स्थगित करने का निर्देश दिया।योजना के अंतर्गत शत प्रतिशत लाभुकों का फेशियल रिकॉग्निशन आधारित ई-केवाईसी सुनिश्चित करने हेतु उपायुक्त ने डीआईओ की अध्यक्षता में सीएससी मैनेजर, यूआईडी डीपीएम एवं ईडीएम को शामिल करते हुए एक विशेष समिति गठित की है। समिति को साप्ताहिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया।बैठक में बताया गया कि 70% से कम कार्य निष्पादन करने वाली सेविकाओं को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए मानदेय स्थगित करने का निर्देश दिया गया है।पोषण ट्रैकर ऐप पर दर्ज उपस्थिति के आधार पर पूरक पोषाहार का भुगतान करने का निर्देश सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारियों को दिया गया। साथ ही, सभी महिला पर्यवेक्षिकाओं को ग्राउंड विजिट कर जिओ टैग फोटो के साथ रिपोर्ट प्रत्येक माह जिला समाज कल्याण कार्यालय में जमा करने का निर्देश जारी किया गया। बैठक में शत-प्रतिशत आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण वाटिका की स्थापना एवं बिजली कनेक्शन हेतु ऑनलाइन आवेदन सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया गया।

18-19 वर्ष की लाभुक किशोरियों के आवेदन पत्र सभी सीडीपीओ एवं महिला पर्यवेक्षिकाओं से संग्रह कर समय पर जमा करने का आदेश दिया गया।समर अभियान के अंतर्गत ग्रोथ मॉनिटरिंग को सटीक और अद्यतन करने, कुपोषित बच्चों को एमटीसी केंद्रों में भर्ती कराने तथा सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

बैठक में सखी वन स्टॉप सेंटर की कार्यप्रणाली की भी समीक्षा की गई और आवश्यक सुधारात्मक उपायों पर चर्चा की गई।उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि समाज कल्याण की योजनाएं सीधे जरूरतमंदों से जुड़ी होती हैं, अतः इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने पूरी व्यवस्था को पारदर्शी, समयबद्ध और जमीनी कार्यान्वयन पर आधारित बनाने के लिए सभी अधिकारियों को प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी रीना साहू, समर अभियान के जिला क्षेत्रीय प्रबंधक शंभू बड़ाईक, सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, तथा जिले की सभी महिला पर्यवेक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

1-2 अगस्त को चतरा के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम

आयोजित होगा आकांक्षा हाट एवं कृषि उद्यम मेला - 2025

उपायुक्त चतरा कीर्तिश्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर दी जानकारी

चतराः जिला मुख्यालय स्थित समाहरणालय सभाकक्ष में सोमवार को उपायुक्त कीर्तिश्री द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर जिले में आगामी आकांक्षा हाट एवं कृषि उद्यम मेला - 2025 कार्यक्रम के आयोजन की विस्तृत जानकारी दी गई। उपायुक्त ने बताया कि यह भव्य आयोजन 01 अगस्त 2025 को पूर्वाह्न 10:00 बजे से अपराह्न 05:00 बजे तक एवं दिनांक 02 अगस्त 2025 को पूर्वाह्न 10:00 बजे से अपराह्न 03:00 बजे तक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, चतरा में संपन्न होगा। इस दो दिवसीय मेले में कृषि, गव्य विकास, पशुपालन, मत्स्य, भूमि संरक्षण, जेएसएलपीएस, नाबार्ड, पोल्ट्री फार्म सहित अन्य विभागों द्वारा अपने-अपने विभागीय नवाचारों एवं उत्पादों की प्रदर्शनी हेतु स्टॉल लगाए जाएंगे। साथ ही पॉली हाउस, हाइड्रोपोनिक्स और बायोफ्लॉक जैसी आधुनिक कृषि तकनीकों के मॉडल भी प्रदर्शित किए जाएंगे।उपायुक्त ने बताया कि चतरा जिला भारत के 112 आकांक्षी जिलों में शामिल है। मार्च 2025 की नीति आयोग की डेल्टा रैंकिंग में यह जिला देश में अव्वल रहा है। चतरा के किसान, स्वयं सहायता समूह एवं कृषक उत्पादक संगठन परंपरागत कृषि से आगे बढ़कर जैविक, मल्चिंग एवं नवाचार आधारित कृषि उत्पादों का निर्माण कर रहे हैं।स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने और विपणन से जोड़ने हेतु रिलायंस, अमूल, मेधा, फारमार्ट, वेजफेड, पीसीएफ एग्रीटेक, सुविधा मार्ट समेत लगभग 30 संस्थागत क्रेताओं को आमंत्रित किया गया है, जो किसानों के उत्पादों को खरीदने व अनुबंध करने हेतु उपस्थित रहेंगे।कार्यक्रम में बिरसा कृषि विश्वविद्यालय रांची के कुलपति, पलांडू के हॉर्टिकल्चर एवं एग्रो फॉरेस्ट्री अनुसंधान केंद्र के निदेशक, बीआईटी मेसरा के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजीव मिश्रा, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ नेचुरल रेज़िन्स एंड गम्स, नामकुम रांची के वरिष्ठ वैज्ञानिक, एवं वाउ फैक्टर्स के एमडी डॉ. शंकर गोयनका सहित कई विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया है, जो अपने अनुभवों से किसानों को मार्गदर्शन देंगे। चतरा जिले के सभी प्रखंडों से एसएचजीएस, एफपीओएस एवं प्रगतिशील किसानों को आमंत्रित किया गया है। मेले में इंटरएक्शन सेशन, प्रशिक्षण कार्यशालाएं, एवं सरकारी योजनाओं की प्रस्तुति दी जाएगी, जिससे किसान ज्ञान, बाजार और नई तकनीक से सीधे जुड़ सकें। उपायुक्त ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जिले के सभी कृषकों, उद्यमियों, एसएचजी, एफपीओ प्रतिनिधियों और संबंधित विभागों से अपील किया कि वे इस आयोजन में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें एवं आत्मनिर्भर चतरा के लक्ष्य को और मजबूत करें। कहा कि यह मेला न केवल चतरा के लिए, बल्कि पूरे राज्य के लिए एक प्रेरणा बनेगा, जहां स्थानीय प्रतिभा और उत्पादों को राष्ट्रीय पहचान देने का प्रयास किया जा रहा है।

स्टेडियम निर्माण कार्य में लगी थी रोक, पदाधिकारी व जानप्रतिनिधि की पहल से शुरू हुआ काम

गिद्धौर(चतरा): प्रखंड मुख्यालय के जवाहरलाल फुटबॉल मैदान का चार दिवारी निर्माण कार्य को ग्रामीणों व खिलाड़ियों ने बीते दिनों रोक लगा दिया था।इसकी सूचना संवेदक ने सीओ को दिया।सीओ अनंत सयनम विश्वकर्मा तथा बीडीओ राहुल देव ने जनप्रतिनिधियों के साथ साथ ग्रामीणों तथा संवेदक के साथ अंचल कार्यालय में सोमवार को बैठक किया।बैठक कर जानकारी जुटाई।इसके बाद चार दिवारी निर्माण कार्य स्थल पहुंच जायजा लिया।इस दौरान विधायक प्रतिनिधि सह मंडल अध्यक्ष कपिल कुमार, सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार कुशवाहा,जेएमएम प्रखंड अध्यक्ष मनोज कुमार वर्मा के पहल से चार दिवारी निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया।मालूम हो कि भवन प्रमंडल विभाग चतरा के द्वारा जवाहर फुटबॉल मैदान में स्टेडियम निर्माण कार्य लगभग 81 लाख की लागत से चार दिवारी निर्माण कार्य प्रारंभ था।मौके पर पूर्व 20 सूत्री प्रखंड अध्यक्ष बिनोद पासवान,भाजपा पार्टी युवा मंडल अध्यक्ष बबलू कुमार साव, सुरेश प्रसाद राणा,अनिल कुमार,डॉ दयानंद कुमार,विभाग के कनीय अभियंता समेत अन्य मौजूद थे।

खेत में काम कर रहे युवक पर गिरा 440 वोल्ट का तार, दर्दनाक मौत

संवाददाता

चतराः जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत तरगडवा पंचायत अंतर्गत मुरार गांव में सोमवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। यहाँ खेत में काम कर रहे एक युवक पर 440 वोल्ट का बिजली का तार गिर जाने से उसकी दर्दनाक मौत हो गई। युवक ने सदर अस्पताल चतरा में अपनी अंतिम सांस ली। मृतक की पहचान धनंजय कुमार (25 वर्ष) के रूप में हुई है, जो कुलेश्वर यादव का पुत्र था। यह घटना दोपहर करीब 2 बजे की बताई जाती है। जानकारी के अनुसार, धनंजय कुमार अपने खेत में काम कर रहा था, तभी अचानक ऊपर से गुजर रहा 440 वोल्ट का बिजली का तार टूटकर उसके ऊपर गिर गया। बिजली का झटका इतना जोरदार था कि धनंजय वहीं अचेत होकर गिर

पड़ा। घटना के समय पास के खेत में ट्रैक्टर से जुताई कर रहे एक ड्राइवर ने जब यह देखा, तो उसने तुरंत आसपास के लोगों को इसकी सूचना दी और शोर मचाया।ग्रामीणों की मदद से तत्काल धनंजय को चतरा सदर अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टर अविनाश ने जांच के बाद धनंजय की मौत की पुष्टि कर दी। परिजनों ने बिजली विभाग पर लगाए लापरवाही के आरोप, मुआवजे की मांग

इस दुखद घटना के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया है। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। उन्होंने बिजली विभाग पर घोर लापरवाही का आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है कि बिजली के तार काफी जर्जर हालत में थे और उनकी समय पर मरम्मत या बदलाव नहीं किया गया था, जिसके चलते यह हादसा हुआ। उन्होंने बिजली विभाग से तत्काल मुआवजे की मांग की है।फिलहाल, मृतक धनंजय कुमार के शव का सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। यह घटना ग्रामीण इलाकों में बिजली विभाग की लचर व्यवस्था और जर्जर बुनियादी ढांचे पर गंभीर सवाल खड़े करती है, जिससे आए दिन हादसे हो रहे हैं। प्रशासन को ऐसी घटनाओं को रोकने और बिजली सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है ताकि भविष्य में ऐसी दुखद घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

आर्ट ऑफ लिविंग परिवार ने किया सावन महोत्सव का आयोजन

सुनीता देवी बनी सावन क्वीन

खूंटीः आर्ट ऑफ लिविंग परिवार खूंटी द्वारा आयोजित सावन महोत्सव सीता रसोई में मनाई गई। हरे रंग से सजी-धजी हरियाली बिखेरती खूंटी नगर की गणमान्य माताओं- बहनों ने अपनी मर्यादित उपस्थिति देते हुए उत्सव में चार चाँद लगा दिया। सावन महोत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रम से भी ओत प्रोत रहा। शुरूआत कार्यक्रम संचालिका रितिका लाल के स्वागत सम्बोधन से हुआ। फिर प्रमिला भगत, सिंधु भगत, शीला भगत ,संगीता राय, शकुंतला देवी , अनीता लाल एवं पुष्पा तिवारी द्वारा सावन गीत की प्रस्तुति दी गईं। मोनिका धन ,संगीता जायसवाल ,वीणा शर्मा द्वारा नाट्य प्रस्तुति ,सास बहु की मस्ती, प्रस्तुत की गईं। सावन महोत्सव की सावन क्वीन सुनीता देवी चुनी गई।

कार्यक्रम का आयोजन एवं विधि व्यवस्था की तैयारी रितिका लाल एवं श्वेता भगत के हाथों रही। उत्साह हंसी-खुशी के माहौल में स्वादिष्ट व्यंजनों के साथ महोत्सव का समापन हुआ।

परिवहन विभाग ने अभियान चला कर 18 टेंपो किया जब्त, जुर्माना लेकर छोड़ा

गरीब टेंपो चालको को किया जा रहा बेवजह परेशानः राजू दबगर

संवाददाता

चतराः परिवहन विभाग ने बिना परमिट, फिटनेश व पॉल्यूशन सर्टिफिकेट के चल रहे टेंपो चालको के खिलाफ अभियान चलाया। इस दौरान केशरी चौक व जतराहीबाग चौके के पास से 18 टेंपो को पकड़ कर सदर थाना लाया गया।अभियान का नेतृत्व डीटीओ इंदर कुमार ने किया। इस दौरान टेंपो चालको ने संघ के पदाधिकारियों के पास पहुंचे।इसके बाद जिला टेंपो संघ के जिलाध्यक्ष राजू कुमार दबगर के नेतृत्व में टेंपो चालको ने समाहरणालय पहुंच कर उपायुक्त कीर्तिश्री जी से मुलाकात की। साथ ही अपनी समस्याओं से अवगत कराया। कहा कि उपायुक्त ने टेंपो चालको को सकारात्मक आश्वासन दिया। इसके बाद सभी टेंपो चालको को सदर थाना बुलाया गया।जहां डीटीओ ने टेंपो चालको को सभी कागजात दुरूस्त कर सड़क पर चलाने की बात कही. इस मौके पर संघ के जिलाध्यक्ष से समझौता पत्र बनाया।जिसमें 15 दिनो के अंदर सभी दस्तावेत तैयार करने का चेतावनी दिया। सभी टेंपो पर एक-एक हजार का जुर्माना लगा कर छोड़ दिया गया।वहीं दूसरी ओर टेंपो चालक संघ के जिलाध्यक्ष राजू कुमार दबगर ने कहा कि बड़े वाहन व बसो पर कार्रवाई करने के बजाय गरीब टेंपो चालको को निशाना बनाया जा रहा है।अभियान के कारण टेंपो चालको काफी परेशानी हुई. रोजी-रोटी चलाने वाले गरीब टेंपो चालको को बेवजह परेशान किया जा रहा है। इसी तरह अभियान जारी रहा तो आंदोलन किया जायेगा।

पर्यावरण संरक्षण को लेकर एसएसबी 35 वाहिनी बल ने चलाया पौधरोपण अभियान

चतराः 76वां वन महोत्सव-2025 के उपलक्ष्य में एसएसबी 35 वाहिनी बल ने पौधरोपण अभियान चलाया। कार्यक्रम राज्य संपोषित प्लस टू उच्च विद्यालय सिमरिया में चलाया गया। मौके पर दक्षिणी वन क्षेत्र पदाधिकारी सुर्य भुषण कुमार, विद्यालय के प्रधानाध्यापक मनोज कुमार रजक, एवं उप कमांडेंट 35 वीं बटालियन दिपक कुमार सिंह तथा जवान मौजूद थे। इस कार्यक्रम के दौरान उप कमांडेंट ने बताया कि पेड़-पौधे हमारे जीवन का आधार है जिन्हें संजोग कर रखना हमारा कर्तव्य है। अतः प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम 10 पेड़ लगाना होगा, पेड़ लगाने के साथ- साथ उन पेड़-पौधे की सुरक्षा देखभाल हेतु हमें हमेशा तत्पर रहना होगा। हमारे जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने तथा सुरक्षित बनाये रखने में इन पेड़-पौधां का काफी योगदान है। अतः आज हम सभी संकल्प लेते है कि हम सभी कम से कम 10 पेड़ लगायेंगे और उनकी सुरक्षा एवं देखभाल करेंगे ताकि आने वाले भविष्य में जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित किया जा सके।

4 सूत्री मांगों के लिए 108 एंबुलेंस चालक अनिश्चितकालीन हड़ताल पर गये

,9

चतराः जिले में डायल 108 एंबुलेंस चालक अपने चार सूत्री मांगों को लेकर सोमवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए। चालकों ने सिविल सर्जन कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन किया। इसके बाद सिविल सर्जन को हड़ताल की सूचना दी। चालकों ने बताया कि 108 एम्बुलेंस सेवा कर्मियों ने अपनी मांगों पर स्वास्थ्य प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराने के लिए रांची में प्रदर्शन भी किया था। लेकिन उनकी मांगों पर स्वास्थ्य विभाग ने कोई ध्यान नहीं दिया है। चालकों ने बताया कि मांगों में सभी 108 एम्बुलेंस कर्मियों की सेवा 60 वर्ष तक करने, 26 जून 2025 को 108 एम्बुलेंस सेवा का परिचालन करने वाली संस्था के साथ तय हुए सभी शर्तों को लागू करने, 108 एम्बुलेंस कर्मियों और विभाग के बीच बिचौलिया को हटाकर एम्बुलेंस कर्मियों का वेतन भुगतान एनएचएम द्वारा करने, पूर्व में निलंबित हुए 108 एम्बुलेंस कर्मियों की सेवा तत्काल बहाल करने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। कर्मियों ने कहा कि हर दिन 108 एंबुलेंस सेवा का लाभ 1500 से 2000 लोगों को मिलता है। ऐसे में उनके कार्य बहिष्कार से अगर मरीजों को परेशानी होगी, तो इसकी जिम्मेवारी एम्बुलेंस संचालन कर रही एजेंसी और स्वास्थ्य विभाग की होगी। एंबुलेंस चालकों के हड़ताल पर जाने से आपातकालीन मरीजों की परेशानी बढ़ गई है। खासकर प्रसव व दुर्घटना से संबंधित मरीजों को परेशानी शुरू हो गई है। सिविल सर्जन डॉ जगदीश प्रसाद ने कहा कि एंबुलेंस चालक हड़ताल पर चले गए है। स्वास्थ्य व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जा र रही है।

सिमरिया एसडीओ ने कस्तूरबा विद्यालय का किया निरीक्षण, कमियों देख भड़के

लावालौंग(चतरा): प्रखंड मुख्यालय बगरा रोड पर स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय की खबरें वायरल होने के बाद सिमरिया एसडीओ सन्नी राज जायजा लेने पहुंचे। मौके पर उनके साथ जिला शिक्षा पदाधिकारी दिनेश मिश्रा,बीडीओ विपिन कुमार भारती,सीओ सुमित कुमार झा, बीपीओ राजेश कुमार,चंद्रदीप गांधी एवं प्रमुख पति श्रवण रजक भी उपस्थित थे। कस्तूरबा पहुंचकर उन्होंने सर्वप्रथम पाकशाला का निरीक्षण किया। यहां साफ सफाई की कमी एवं अव्यवस्थाओं को देखकर एसडीओ भड़क उठे।वहीं विभिन्न कमरों में बालिकाओं के सोने की व्यवस्था,शौचालय की साफ सफाई एवं सामग्रियों के रखरखाव में भी अनियमितता को देखकर वे गहरा रोष प्रकट करते हुए वार्डन अनिता कुमारी को कड़ी फटकार लगाई। इसके बाद बालिकाओं के साथ मारपीट एवं प्रताड़ना मामले में उन्होंने शिक्षिका कंचन कुमारी को खरी खोटी सुनाते हुए भविष्य में ऐसा न करने का कड़ा निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि बच्चे अपने अपने मां बाप को छोडकर आपलोगों के साथ रह रहे हैं। ना की कोई जानवर काजी हाउस में जिसके साथ अमानवीय व्यवहार किया जाए। इधर मौके पर से अकाउंटेंट के गायब रहने के कारण भी एसडीओ नें कडा रोष प्रकट करते हुए स्पष्टीकरण की की बात कही है। कस्तूरबा के बाद उन्होंने पीएम श्री स्तरोन्नत प्लस टू स्कूल लावालौंग एवं मॉडल स्कूल का निरीक्षण किया।

झारखंड के दो दिवसीय दौरे पर 31 जुलाई को रांची पहुंचेगी राष्ट्रपति

ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव, लोगों से सहयोग की अपील

मेट्रो रेज

रांचीः राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 31 जुलाई से दो दिन के दौरे पर झारखंड आ रही हैं। उनकी सुरक्षा को देखते हुए रांची शहर की ट्रैफिक व्यवस्था में बड़े बदलाव किए गए हैं।

31 जुलाई को ट्रैफिक प्लान

- रांची में बड़े वाहनों का प्रवेश पूरी तरह वर्जित रहेगा।
- शाम 3 बजे से रात 8 बजे तक छोटे मालवाहक वाहनों की नो एंट्री रहेगी।
- शाम 4 से 7 बजे तक, कांके, रातू, दलादली आदि की ओर जानेवाले वाहन मेन रोड, लालपुर रोड, बूटी मोड़ होते हुए रिंग रोड से जा सकेंगे।
- बाहर से आनेवाले वाहन कांके रिंग रोड, बोड़ेया रोड, बूटी मोड़ से होते हुए शहर में प्रवेश कर सकेंगे।
- एयरपोर्ट रोड, बिरसा चौक, अरगोड़ा चौक, सहजानंद चौक, हॉटलिप्स चौक जैसे इलाकों से शाम 4 से 7 बजे तक बचने की सलाह दी गई है।
- शाम 4:30 से 6:30 बजे तक अरगोड़ा चौक से हॉटलिप्स चौक तक ऑटो-टोटो नहीं चलेंगे।

1 अगस्त को भी ट्रैफिक में रहेगा बदलाव

- सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक बड़े वाहनों पर रोक जारी रहेगी।
- सुबह 7 से 11 बजे तक छोटे मालवाहक वाहनों की नो एंट्री लागू रहेगी।
- एयरपोर्ट रोड, बिरसा चौक, हॉटलिप्स चौक जैसे इलाकों से सुबह 7 से 10 बजे तक दूरी बनाए रखने की सलाह दी गई है।
- सुबह 8 से 10 बजे तक, हॉटलिप्स चौक से अरगोड़ा चौक तक ऑटो-टोटो प्रतिबंधित रहेंगे।

ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से सहयोग की अपील की है ताकि राष्ट्रपति के दौरे के दौरान किसी तरह की असुविधा न हो।

जेसीआई रांची ने की पहाड़ी बाबा की पूजा-अर्चना व श्रृंगार, बांटे प्रसाद

रांचीः सावन के तीसरे सोमवार के पहले पहाड़ी मंदिर में जेसीआई रांची के सदस्यों द्वारा भोले बाबा के भक्तों के लिए बुंदिया प्रसाद का वितरण किया गया। रविवार को पहाड़ी बाबा का श्रृंगार, पूजा-अर्चना व आरती की गई। इस कार्यक्रम का शकुशल संचालन जेसी हेमंत माहेश्वरी, कुनाल बोरा व मोहित लखोटिया ने किया। कार्यक्रम में अध्यक्ष प्रतीक जैन, सचिव सन्नी केडिया, सिद्धार्थ जयसवाल, मोहित वर्मा, रॉबिन गुप्ता, सौरभ साबू, सौरव जालान, मयंक अग्रवाल, प्राची अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, शोभीत अग्रवाल, निखिल अग्रवाल, गौरव माहेश्वरी व अन्य सदस्य उपस्थित थे।

श्रावण की तीसरी सोमवारी श्रद्धा, सेवा और संकल्प का संगम

कुछ दिन पूर्व श्रावण मास को देखते हुए सभी प्रमुख धार्मिक स्थलों पर पुलिस बल की उपस्थिति सुनिश्चित करने का मेरे द्वारा निर्देश दिया गया था। इसी परिपेक्ष्य में धार्मिक स्थलों पर पहुँचकर यह देखकर संतोष हुआ कि प्रशासनिक एवं पुलिस टीम पूरी सजगता और मुस्तैदी से उपस्थित थी। आज प्रातः अपने आवासीय परिसर से बेल पत्र एकत्र किया और रेड़मा शिव मंदिर के लिए प्रस्थान किया, जहाँ बाबा भोलेनाथ के दर्शन हेतु श्रद्धालू उपस्थित थे । श्रद्धालुओं के बीच बेलपत्र वितरित कर शिवभक्ति में लीन वातावरण का अनुभव किया।

बाद में चियांकी पहाड़ स्थित प्राचीन शिव मंदिर पहुँचा। जहां सदर थाना प्रभारी पलामू संतोष कुमार को वहाँ उपस्थित पा कर ,मेरे आदेश के अनुपालन का सुखद अनुभूति हुई और में उन्हें पुरस्कृत भी किया...वहाँ भी भोले बाबा के दर्शन हेतु काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे । जहां महिलाए बचे और वृद्धों की संख्या अधिक थी। मैंने भी एक वृद्ध महिला को सहारा देके मंदिर तक पहुंचाया।

बेसहारो को बरह कर के सहारा दे दें...
ऐसे अब लोग जमाने में कहां मिलते हैं...

श्रावण मास में श्रद्धा जितनी आवश्यक है, उतनी ही जरूरी है व्यवस्था की सुदृढ़ता।

गंगा-जमुनाई तहजीब का अद्भुत उदाहरण

डीआईजी नौशाद आलम ने तीसरी सोमवारी पर शिवभक्तों के बीच बांटे बेलपत्र व पूजन सामग्री

विनय मिश्रा

सावन की तीसरी सोमवारी पर पलामू रेंज के डीआईजी नौशाद आलम ने एक मिसाल पेश करते हुए धार्मिक सद्भाव और आपसी सौहार्द का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने न केवल शिवालयों में पहुंचकर हो रहे पूजा-अर्चना में सम्मिलित नहीं हुए, बल्कि भक्तों के बीच बेलपत्र और पूजा सामग्री का वितरण कर यह दिखाया कि श्रद्धा की कोई सरहद नहीं होती। उनके इस कार्य को लेकर श्रद्धालुओं ने इसे गंगा-जमुनाई तहजीब की जीवंत तस्वीर बताया।

डीआईजी ने सोमवार को कामनापूर्ति शिव मंदिर, चियांकी पहाड़ी मंदिर सहित कई मंदिरों में जाकर सुरक्षा व्यवस्था का समीक्षा किया और बाबा भोलेनाथ तथा माता पार्वती से प्रमंडल में सुख-शांति, समृद्धि और आपसी सद्भाव की कामना की। उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं को सावन की तीसरी सोमवारी की शुभकामनाएं भी दीं।

पूजा के बाद डीआईजी ने श्रद्धालुओं के बीच बेलपत्र और अन्य पूजा सामग्री वितरित की, जिससे वातावरण में भक्ति और सौहार्द का संचार हो गया। उन्होंने कहा कि श्रावण माह में सोमवार का विशेष महत्व है। हिंदू मान्यता के अनुसार जो भी भक्त सावन की सोमवारी को सच्चे मन से भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना करते हैं, उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और ०जीवन के कष्ट दूर हो जाते हैं।

इस दौरान डीआईजी ने मंदिर परिसरों में विधि-व्यवस्था का भी निरीक्षण किया और पुरोहितों व भक्तों से बातचीत कर उनकी कुशलक्षेम पूछी। उन्होंने यह भी कहा कि पलामू जैसे बहुधार्मिक समाज में आपसी सम्मान और सांस्कृतिक एकता ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। उनके इस कदम को देखकर कई श्रद्धालु भावुक हो गए और इसे भाईचारे और एकता की नई परिभाषा बताया। सोमवारी पर डीआईजी का यह योगदान एक उदाहरण बन गया है, जो न केवल धार्मिक सहिष्णुता की मिसाल है, बल्कि प्रशासन और समाज के बीच मधुर संवाद की दिशा में एक प्रेरणास्पद पहल भी है।

झारखण्ड सरकार
कारा एवं सुधारात्मक सेवाऐं निरीक्षणालय
उप कारा, खूँटी

ई०–निविदा सूचना
HJ & DM/SJ-KHUNTI/Q-4/2025/3287

1. कारा का नाम– **उप कारा, खूँटी।**
2. विषय–**कारा में संसीमित बंदियों के भोजनादी की व्यवस्था हेतु विभिन्न प्रकार के खाद्यान्नों, हरी सब्जी, आलु, फल, चीनी एवं अन्य विविध सामग्रियों के क्रय/आपूर्ति के निमित्त ई.–निविदा का आमंत्रण।**
   (चतुर्थ त्रैमासिक निविदा दिनांक–01.10.2025 से 31.12.2025 तक)
3. निविदा प्रपत्र का मूल्य (Non refundable) Online स्वीकार की जायेगी, जो निम्न प्रकार है– **5,000.00 (पाँच हजार रूपये) मात्र।**
4. वेबसाईट पर निविदा प्रपत्र के उपलब्धता की तिथि एवं समय– **12.08.2025 से 20.08.2025 के अपराह्न 04:00 बजे तक।**
5. निविदा Online upload करने की तिथि– **12.08.2025 से 20.08.2025 के अपराह्न 04:00 बजे तक।**
6. आपूर्ति हेतु खाद्य सामग्रियों का नमूना (Sample) जमा करने की तिथि–**दिनांक–21.08.2025 को अपराह्न 05:00 बजे तक कार्यालय अवधि में जमा करना होगा।**
7. अग्रधन राशि (EMD) (₹2500/– से अधिक होने पर) जमा करने की तिथि। **दिनांक–21.08.2025 को अपराह्न 05:00 बजे तक कार्यालय अवधि में जमा करना होगा।**
8. निविदा के खुलने की तिथि/समय/स्थान–**तिथि–22.08.2025 को पूर्वाह्न 11:00 बजे अनुमंडल पदाधिकारी, खूँटी के कार्यालय कक्ष में अनुमंडल पदाधिकारी, खूँटी की उपस्थिति में।**

नोटः–

1. उपर्युक्त निविदा झारखण्ड सरकार की वेबसाईट https://jharkhandtenders.gov.in पर केवल e-Tender के माध्यम से प्राप्त/स्वीकृत की जायेगी।
2. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online ही स्वीकार की जायेगी।
3. अतिरिक्त सूचना प्राप्ति हेतु अधीक्षक, उप कारा, खूँटी के कार्यालय में कार्यालय अवधि में सम्पर्क स्थापित किया जा सकता है। e-Tender को online upload करने से संबंधित जानकारी हेतु कार्यालय अवधि में Helpline No. 9430342752 से सम्पर्क किया जा सकता है।

अधीक्षक,
उप कारा, खूँटी

PR 358375 (Prison)25-26*D

राज्यपाल से मिलीं अमेरिकी दूत कैथी जाइल्स-डियाज

रांचीः राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से आज अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास, कोलकाता की महावाणिज्य दूत कैथी जाइल्स-डियाज ने राज भवन में शिष्टाचार भेंट की। भेंट के दौरान दोनों के मध्य विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। राज्यपाल महोदय ने जाइल्स-डियाज को झारखंड की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक विशेषताओं से अवगत कराते हुए कहा कि यह राज्य प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण है तथा यहाँ प्रचुर मात्रा में खनिज संपदा उपलब्ध है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि झारखंड में अनेक विश्वप्रसिद्ध धार्मिक स्थल स्थित हैं, जो राज्य की आध्यात्मिक समृद्धि के प्रतीक हैं। राज्यपाल महोदय ने यह भी कहा कि वर्तमान में पवित्र श्रावणी माह के अवसर पर देश के कोने-कोने से लाखों श्रद्धालु गहरी आस्था के साथ कांवर यात्रा कर देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम एवं दुमका स्थित बासुकीनाथ मंदिर पहुँच रहे हैं और श्रद्धापूर्वक जलार्पण कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वर्षभर देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु इन स्थलों पर दर्शन हेतु आते हैं। राज्यपाल महोदय ने यह भी उल्लेख किया कि झारखंड में ईटखोरी, रजरप्पा, देवड़ी और पारसनाथ जैसे कई आस्था के केंद्र हैं। साथ ही, यहाँ के जलप्रपातों और प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण स्थल आगंतुकों को विशेष रूप से आकर्षित करते हैं।

युवक के साथ मारपीट व जान से मारने की कोशिश

रांची : राजधानी रांची के जगरनाथपुर थाना क्षेत्र स्थित लाइट हाउस प्रोजेक्ट सोसाइटी में एक युवक के साथ मारपीट और जान से मारने की कोशिश का मामला सामने आया है। पीड़ित अभिनव राज ने इस संबंध में पुलिस को आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित ने बताया कि वह 28 अप्रैल को अपने दोस्त के फ्लैट पर गया हुआ था। उसका फ्लैट धुर्वा के सेक्टर टू के लाइट हाउस प्रोजेक्ट के पास है। शाम के समय अचानक नीचे से कॉल आने पर जब वह नीचे गया तो देखा कि वहां दो गाड़ियां- एक काली स्कॉर्पियो और एक लाल स्विफ्ट–खड़ी थी। दोनों गाड़ियों में करीब 10-12 लड़के सवार थे।

पीड़ित युवक के अनुसार, उनमें से दो-तीन युवकों को वह नाम से जानता है, जिनमें अभिषेक कुमार, आरोहण मंडल, ज्ञानेंद्र दुबे और अयान शामिल हैं। सभी आरोपी अमिटी यूनिवर्सिटी के छात्र बताए जा रहे हैं। इन सभी ने मिलकर उसे जबरन गाड़ी में बैठाने की कोशिश की और विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की गई। पीड़ित ने दावा किया कि हमलावरों में से एक-दो के पास हथियार भी थे, जिन्हें उसने झगड़े के दौरान देखा। घटना सोसाइटी के भीतर हुई, जहां सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं। पीड़ित ने फुटेज की मांग की, लेकिन सोसाइटी के सचिव कमलेश ने सीसीटीवी फुटेज देने से इनकार कर दिया। पीड़ित ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई और थाने में आवेदन देकर उचित कार्रवाई की मांग की है।

कार्यालय : असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, राँची
E-mail id – csofficeranchi@yahoo.com

e-Tender No. : 2959 Date 26.7.2025
अति अल्पकालीन निविदा

सदर अस्पताल, रॉची के इलेक्ट्रीक पैनल के मरम्मति एवं सर्विस के लिए दर निर्धारण हेतु निबंधित प्रतिष्ठानों/फर्म से दिनांक 7.8.2025 **के अपराहन 5.00 बजे** तक **अति** अल्पकालिन निविदा आमंत्रित किया जाता है। निविदा से तकनीकि विवरण/स्पेशिफिकेशन/संबंधित नियम/शर्त आदि बेव साईट website www.sadarhospital.com पर दिनांक 30.7.2025 से देखा जा सकता है। निविदा से संबंधित किसी प्रकार का परिवर्तन /शुद्धि पत्र बेव साईट website-www.sadarhospital.com पर ही प्रकाशित किया जाएगा।

असैनिक शल्य चिकित्सक सह
मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी,रॉची

PR 358394 (Health Med Edu and Family Welfare)25-26*D

रांची सिटीजन फोरम के गठन हो तीन वर्ष हुए पूरे, 13232 सदस्य जुड़ेः दीपेश निराला

कृष्ण सिंह कॉलोनी, गुरुद्वारा गली में हुई रांची सिटीजन फोरम के पदाधिकारियों और वार्ड 15 के लोगों की बैठक

मेट्रो रेज

रांचीः रांची रेलवे स्टेशन के निकट वार्ड 15 अंतर्गत कृष्ण सिंह कॉलोनी, गुरुद्वारा गली स्थित होटल सीनेट में रांची सिटीजन फोरम के पदाधिकारियों और वार्ड 15 के स्थानीय निवासियों की एक बैठक अध्यक्ष दीपेश निराला की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें वार्ड 15 के उपस्थित लोगों ने जाम नाली, बदहाल टूटे गड्ढे युक्त सड़कों की स्थिति, अनियमित कचरा उठाव की समस्या, खराब पड़े स्ट्रीट लाइट, दशमेश अपार्टमेंट के सामने जाम नाली के वजह से नाली का कचरा युक्त जल का सड़क में बहने से फैल रहा प्रदूषण और डेंगू तथा मलेरिया के संक्रमण के खतरे सहित दर्जनों समस्याओं से फोरम की पदाधिकारियों को अवगत कराया और बताया कि वे लोग घर से नहा धोकर पूजा के लिए गुरुद्वारा आते हैं, लेकिन सड़क में नाली का पानी बहने से उसके संपर्क में आ जाते हैं और उसके बाद गुरुद्वारा प्रवेश करते हैं, जिस कारण उनको काफी परेशानी हो रही है, जबकि यह क्षेत्र होल्डिंग टैक्स के साथ-साथ यूजर टैक्स देने में भी अव्वल है।

विभिन्न वार्ड से आए फोरम के पदाधिकारियों ने भी इसी प्रकार अपने-अपने वार्ड की समस्याएं साझा की जिसका जल्द समाधान निकालने की जरूरत है रांची नगर निगम को, क्योंकि पूरे झारखंड में रांची नगर निगम टैक्स लेने में अव्वल है और सबसे अधिक टैक्स कलेक्शन रांची नगर निगम में होता है, तो हम मांग करते हैं कि यह सुविधा देने में भी नंबर 1 हो और उसी अनुरूप काम करें, क्योंकि यह राजधानी रांची का नगर निगम है। इस अवसर पर रांची सिटीजन फोरम ने अपने सदस्यों की सदस्यता की समीक्षा करते हुए हुए पाया कि दिनांक 07 अगस्त, 2022 को गठित हुए रांची सिटीजन फोरम के कुल 53 वार्ड क्षेत्रों से अब तक 13232 सदस्य जुड़ चुके हैं और फोरम का सभी 53 वार्ड में 53 व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से लोग चर्चा, संवाद और जागरूकता के काम में अपनी सहभागिता निभा रहे हैं। फोरम ने रांची शहरी क्षेत्र के आम जनमानस से अपील की है कि वह भी रांची सिटीजन फोरम से जुड़े और वे व्हाट्सएप नंबर 8002830808 पर सदस्य के रूप में जुड़ने के लिए संपर्क कर सकते हैं, फोरम की सदस्यता निःशुल्क है। उक्त बैठक में अध्यक्ष दीपेश निराला, उपाध्यक्ष उमाशंकर सिंह, सचिव रेणुका तिवारी, कोषाध्यक्ष विनोद जैन बेगवानी, संयुक्त सचिव हरीश नागपाल और संतोष मृदुला, सहित वार्ड 5 के संयोजक मनीष बक्शी, वार्ड 14 के संयोजक प्रवीण प्रसाद, वार्ड 9 के संयोजक शेखर कुमार, वार्ड 7 के संयोजक रंजय कुमार पाठक, और वार्ड 15 से अरविंदर सिंह खुराना, राजेंद्र प्रसाद कुनार, सरबजीत सिंह, इंद्रजीत सिंह, सतनाम सिंह राजपाल, हरमीत सिंह, हरदीप सिंह, और रंजीत सिंह राजपाल, यूटीडी शामिल हुए।

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग
(भूमि संरक्षण निदेशालय) झारखण्ड, रॉची
कार्यालय - भूमि संरक्षण पदाधिकारी, रॉची

वित्तीय वर्ष 2025–26 में डीप बोरिंग एवं परकोलेशन टैंक के निर्माण के लिए "जलनिधि" नामक उपयोजना

विभागीय स्वीकृत्यादेश सं०– 38 दिनांक 23.07.2025 द्वारा झारखण्ड राज्य योजनान्तर्गत कृषि को बढ़ावा देने, बहुफसलीय कृषि के विकास, मानसून पर कृषकों की निर्भरता कम करने हेतु विभिन्न श्रोतों से सिंचाई की समुचित व्यवस्था हेतु जलनिधि उपयोजना अन्तर्गत डीप बोरिंग एवं परकोलेशन टैंक के निर्माण की योजना।

योजना का स्वरूप

(I) डीप बोरिंग की योजना

कार्य योजना	पात्रता	अनुदान की राशि: अनुमानित योजना लागत प्रति ईकाई	अनुदान की राशि: अधिकतम अनुदान की राशि	अनुदान की राशि: पानी पंचायत अंशदान की राशि
योजना अन्तर्गत 6 ईंच Diameter deep boring submersible pump 1.5 H.P, आवश्यक Accessories एवं संस्थापन (Installation) के साथ	योजना लघु एवं सीमान्त कृषक समूहों के लिए लागू होगा। विभागीय मार्गदर्शन के आलोक में विधिवत् पानी पंचायत का गठन कर इसका कार्यान्वयन कराया जायेगा। समिति के सदस्यों के पास कलस्टर में न्यूनतम 5 एकड़ भूमि होना अनिवार्य होगा।	3.50 लाख	90 प्रतिशत (3.15 लाख)	10 प्रतिशत (0.35 लाख)

(II)परकोलेशन टैंक (मध्यम एवं निचले खेत में तालाब) की योजना

कार्य योजना	पात्रता	अनुदान की राशि: अनुमानित योजना लागत प्रति ईकाई	अनुदान की राशि: अधिकतम अनुदान की राशि	अनुदान की राशि: पानी पंचायत अंशदान की राशि
Length of Percolation Tank – 120 ft. Width of Percolation Tank – 100 ft. Depth of Percolation Tank – 12 ft. Length of Bound – 370 ft Side Slope – 1:1	योजना लघु एवं सीमान्त कृषक समूहों के लिए लागू होगा। विभागीय मार्गदर्शन के आलोक में विधिवत् पानी पंचायत का गठन कर इसका कार्यान्वयन कराया जायेगा। समिति के सदस्यों के पास कलस्टर में न्यूनतम 10 एकड़ भूमि होना अनिवार्य होगा।	4.30 लाख	90 प्रतिशत (3.87 लाख)	10 प्रतिशत (0.43 लाख)

डीप बोरिंग एवं परकोलेशन टैंक के लिए आवेदन–पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 13.08.2025 है।

कृषक/संस्था का चयन

(i) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/लघु/सीमांत कृषक/महिला कृषकों/इच्छुक कृषकों का चयन प्राथमिकता के आधार पर किया जायेगा
(ii) जिन कृषक समूहों को पूर्व में डीप बोरिंग एवं परकोलेशन टैंक का लाभ प्राप्त कराया जा चुका है, उनकी पात्रता योजना हेतु मान्य नहीं होगी।
(iii) योजना के कार्यान्वयन में त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था की सहभागिता सुनिश्चित की जायेगी एवं ग्राम सभा द्वारा चयनित योजनाओं तथा माननीय स्थानीय विधायक की अनुशंसा को प्राथमिकता दी जायेगी।

आवेदन की प्राप्ति

(i) भूमि संरक्षण पदाधिकारी, रॉची द्वारा निर्धारित लक्ष्य के विरूद्ध सुपात्र कृषको से विहित प्रपत्र-I(संलग्न) में आवेदन प्राप्त किया जायेगा।
(ii) आवेदन–पत्र भूमि संरक्षण पदाधिकारी, रॉची के कार्यालय से निःशुल्क प्राप्त किया जा सकता है।
(iii) आवेदन–पत्र निम्न कागजातों के साथ भूमि संरक्षण कार्यालय, रॉची में जमा लिया जायेगा।

1. संबंधित योजना ग्राम–सभा में पारित होनी चाहिए एवं पारित प्रस्ताव की छायाप्रति मुखिया द्वारा अभिप्रमाणित।
2. पानी–पंचायत गठित कर, रजिस्टर की छायाप्रति (क्षेत्रीय कर्मचारी/पदाधिकारी की उपस्थिति में) एवं पानी–पंचायत के गठन की फोटोग्राफी।
3. पानी–पंचायत का राष्ट्रीयकृत बैंक में बचत खाता खोलकर कृषक–अंशदान की राशि के साथ बचत खाता की छायाप्रति। (चयनित अध्यक्ष एवं सचिव का संयुक्त खाता)
4. लाभान्वित कृषकों की सूची विहित प्रपत्र में। (मूल प्रति)
5. गाँव के नक्शे पर संबंधित योजना को चिन्हित कर नक्शे की छायाप्रति।
6. जमीन का अद्यतन रसीद एवं पहचान–पत्र।

उक्त योजना से संबंधित अन्य जानकारियों के लिए निम्न पत्ते पर संपर्क किया जा सकता है।

कार्यालय का पता –भूमि संरक्षण पदाधिकारी, रॉची
ई०टी०सी० परिसर, हेहल, रॉची–834005

भूमि संरक्षण पदाधिकारी,
रॉची

PR 358416 Agriculture(25-26).D

सुविचार

मेहनत करने से दरिद्रता नहीं रहती, धर्म करने से पाप नहीं रहता, मौन रहने से कलह नहीं होता.

तकनीक और छंटनी

पिछले कुछ वर्षों में भारत में बड़े पैमाने पर होने वाले तकनीकी परिवर्तनों के प्रति खासा उत्साह देखा गया है। देश में सामाजिक व आर्थिक स्तर पर तेजी से डिजिटल परिवर्तन को जनसाधारण ने भी उत्साह के साथ अंगीकार किया है। इस उम्मीद के साथ कि बदलते वक्त के साथ कदमताल करना अपरिहार्य है। आकांक्षा यह भी कि तकनीकी बदलाव के दौर में दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश में रोजगार के नये अवसर भी सृजित हों। ऐसे परिदृश्य में देश की प्रतिष्ठित मानी जाने वाली टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज यानी टीसीएस द्वारा बारह हजार से अधिक कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा एक परेशान करने वाला घटनाक्रम है। यह संख्या संस्था के कुल कार्यबल का दो फीसदी बैठता है। निस्संदेह, छंटनी का यह फैसला आईटी क्षेत्र में आसन्न संकट की आहट को ही दर्शाता है। कहा जा रहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से प्रेरित तकनीकी हस्तक्षेप और वैश्विक स्तर पर मांग को लेकर उत्पन्न अनिश्चितताओं के चलते भारत की प्रतिष्ठा का पर्याय रहा आईटी सेवा उद्योग संरचनात्मक बदलाव की ओर बढ़ रहा है। इस बाबत टीसीएस की दलील है कि इन नौकरियों में कटौती कौशल की कमी और अपने विकसित होते व्यावसायिक मॉडल में कुछ कर्मचारियों को फिर से नियुक्त करने में असमर्थता के चलते की गई है। हालांकि, कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी का दावा है कि इस कदम के पीछे एआई से प्रेरित उत्पादकता वृद्धि नहीं है। उद्योग या बाजार की प्राथमिकताएं भी नहीं हैं। लेकिन मौजूदा समय में यह कदम लागत-अनुकूलन पहलों के चलते अन्य आईटी सेवा कंपनियों में भी छंटनी को बढ़ावा दे सकता है। इसमें दो राय नहीं कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता कारोबार के नियमों में मौलिक बदलाव के चलते, भविष्य के लिये तैयार रहना हर व्यावसायिक उद्यम के एजेंडे में सबसे ऊपर होगा। इस नई हकीकत को देखते हुए, एक सवाल सबसे ज्यादा विचलित करने वाला यह है कि यह तकनीकी बदलाव अनिवार्य रूप से कर्मचारियों की कीमत पर होना चाहिए? बताया जाता है कि टीसीएस ने एआई को उन्नत करने और प्रशिक्षण में भारी निवेश किया है। इसके उपरांत बताया जा रहा है कि अब वह कई माध्यम से वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों को सेवा में बनाये रखने में असमर्थता जता रही है। यह मानना कि नई तकनीक के साथ संवेदनशील समायोजन हमेशा लाभदायक नहीं रहता, की सोच ने एक खतरे की घंटी बजा दी है। देश के बड़े व छोटे व्यवसायों द्वारा नए तकनीकी मॉडल को आंख बंद करके अपनाने से एक परेशान करने वाले परिदृश्य का खतरा सामने नजर आ रहा है। इन उद्योगों को चिंता है कि तकनीकी बदलाव की स्पर्धा के इस परिदृश्य में कहीं वे पीछे न रह जाएं। इस अनिश्चित समय में, एक उम्मीद की किरण,यदि कोई है, तो वह है भारत का पिछले कुछ वर्षों में बड़े पैमाने पर सफलता से तकनीकी परिवर्तन को स्वीकार करना। देश ने हर सामाजिक और आर्थिक स्तर पर तेजी से डिजिटल तकनीक को सहजता से स्वीकार किया है। एआई को अपनाने के लिये उसी तरह सार्वजनिक व निजी क्षेत्र के समर्थन-सहयोग की आवश्यकता है। सार रूप में कहें तो एक भारतीय दृष्टिकोण, जो मानव संसाधन और परिवर्तन के अनुकूल होने की उसकी क्षमता को महत्व देता है। निस्संदेह, भारत एआई के उपयोग के मामले में अमेरिका व यूरोप नहीं हो सकता। दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी वाले देश में बेरोजगारी का संकट किसी से छिपा नहीं है। देश में श्रमबल का कौशल विकास धीरे-धीरे गति पकड़ रहा है। सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों में आईटी पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने वाले छात्रों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। टीसीएस के इस फैसले से आईटी पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर रहे उन लाखों छात्रों और डिग्री लेकर निकल रहे उत्साही इंजीनियरों में निराशा व्याप्त होगी। भारत में बढ़ता रोजगार संकट केंद्र सरकार से निरंतर हस्तक्षेप की मांग करता है। हाल ही में हरियाणा में कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित दो दिवसीय परीक्षा में लाखों प्रत्याशियों का शामिल होना बताता है कि बेरोजगारी किस पैमाने पर है। यह भी कि उनके लिये अवसर बेहद कम हैं।

हिमालयी परिवेश की रक्षा

हाल के दिनों में हिमालयी राज्यों खासकर हिमाचल व उत्तराखंड में अतिवृष्टि और बादल फटने की घटनाओं में जिस तेजी से पुनरावृत्ति हुई है, उसे मौसम के चरम के रूप में देखे जाने की जरूरत है। हालांकि, तात्कालिक जरूरत आपदा प्रभावित जिलों में राहत, बचाव व पुनर्वास के प्रयासों में तेजी लाने की है, लेकिन सबसे बड़ी जरूरत मौसम के चरम के बीच अचानक आती बाढ़ और बार-बार बादल फटने के कारणों को भी समझने की है। हाल ही में, इन्हीं मुद्दों की तरफ हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भी ध्यान खींचा है। निस्संदेह, इन कारणों की पड़ताल के लिए विषय विशेषज्ञों की सहायता लेना भी जरूरी है। पिछले दिनों हिमाचल में आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक में मुख्यमंत्री ने उन उपायों की सूची पर चर्चा की, जिन्हें तत्काल लागू करने की आवश्यकता है। इन उपायों में नदियों में अवैज्ञानिक तरीके से मलबा फेंकने की जांच, नियमित मौसम अपडेट देना और नदी-नालों से कम से कम सौ मीटर की दूरी पर घरों का निर्माण करना शामिल है। लेकिन इसके प्रभावी लक्ष्य तभी हासिल किए जा सकते हैं जब इस बाबत किसी ठोस योजना को अमलीजामा पहनाया जाए और साथ ही नीतियों के क्रियान्वयन की समय सीमा निश्चित की जाए। निश्चित रूप से मौजूदा संकट को देखते हुए युद्धस्तर पर काम करने की जरूरत है। वह समय चला गया जब सरसरे आदेश दिये जाते और सिफारिशें की जाती थीं। कानूनों और नियमों की अनदेखी के खिलाफ सभी एजेंसियों को तालमेल बैठाकर इस दिशा में अभियान चलाने की जरूरत है। वनों की अवैध कटाई, अनियोजित निर्माण और अवैज्ञानिक विकास प्रथाओं पर लगाम लगाना बेहद जरूरी है। इसके लिये सरकारी मशीनरी को मिशन मोड में काम करने की जरूरत होगी। जिसके लिये मजबूत राजनीतिक इच्छा शक्ति की जरूरत है। भले ही राज्य की सत्ता में दो दलों का वर्चस्व हो और उनकी विचारधाराओं में टकराव रहा हो, लेकिन इस मुद्दे पर एकजुट होकर संकट का मुकाबला करने की जरूरत है। निश्चय ही हाल के वर्षों में पहाड़ विरोधी विकास ने हिमालयी राज्यों की अस्मिता को आहत किया है। हिमालयी राज्यों में लोग पहाड़ों के मूल चरित्र में हस्तक्षेप करने वाले विकास की विसंगतियों की कीमत चुके रहे हैं। अब चाहे बड़े बांध हों या फोर लेन सड़के हों। निस्संदेह, विकास हर राज्य की प्राथमिकता है, लेकिन विकास योजनाओं को पहाड़ों की जरूरत के मुताबिक बनाया जाना चाहिए। इन राज्यों में स्थितियां विकट हैं और हालात और खराब होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। भूस्खलन की लगातार बढ़ती घटनाएं और दरकती सड़कें इसकी बानगी मात्र हैं। कुल मिलाकर पहाड़ों के अस्तित्व पर संकट बढ़ा है। निस्संदेह, मौजूदा रणनीति और नीतियां इस संकट से निबटने में सक्षम नहीं हैं। सत्ता में बैठे लोगों के लिये जरूरी है कि वे मौसम विशेषज्ञों, पर्यावरणविदों और क्षेत्र के अनुभवी लोगों से राय लें। साथ ही तकनीकी समाधानों को वरीयता दी जाए। इसमें दो राय नहीं कि मानव जनित समस्याओं के निदान के लिये मानवीय दृष्टि से संवेदनशील समाधान तलाशने की जरूरत है। निश्चित रूप से इसमें समुदाय के तौर पर एकजुटता के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं रह जाता। समय आ गया है कि हम एक बार फिर से पहाड़ों के अनुरूप जीवन शैली को अपनाएं। पहाड़ हमारी आवश्यकता तो पूरी कर सकते हैं, लेकिन वे इंसान की विलासिता का बोझ सहन करने को तैयार नहीं हैं। निश्चित ही आधुनिकता की आंधी में संयम का जीवन और आवश्यकताओं को सीमित करना कठिन कार्य है, लेकिन बचाव का संभवतः अंतिम उपाय यही है। बहुमंजिला इमारतों को सीमित करना, जल निकासी की समुचित व्यवस्था और निर्माण से पहले जमीन की क्षमता का आकलन करना जरूरी हो जाता है। नदियों में होने वाले अवैध खनन को रोकना भी उतना जरूरी है, जितना जंगलों का कटान रोकना जरूरी है।

नाग पंचमी की पूजा से होती है मनोवांछित फल की प्राप्ति

नाग पंचमी के दिन भगवान शिव के आभूषण नाग देवता की पूजा पूरे विधि-विधान से करने से घर में सुख, शांति और समृद्धि के अलावा आध्यात्मिक शक्ति, अपार धन और मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है और सर्पदंश के भय से भी मुक्ति मिलती है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार नाग पंचमी इस बार हस्त नक्षत्र के शुभ संयोग में मनाई जाएगी। नाग पंचमी के दिन कुछ स्थानों पर 'कुश' नामक घास से नाग की आकृति बनाकर दूध, घी, दही इत्यादि से इनकी पूजा की जाती है जबकि कुछ अन्य स्थानों पर नागों के चित्र या मूर्ति को लकड़ी के एक पाट पर स्थापित कर मूर्ति पर हल्दी, कुमकुम, चावल, फूल चढ़ाकर पूजन किया जाता।

योगेश कुमार गोयल

श्रावण मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी को प्रतिवर्ष देशभर में नाग पंचमी का त्योहार मनाया जाता है, जो इस वर्ष 29 जुलाई को मनाया जा रहा है। हालांकि कुछ राज्यों में चैत्र तथा भाद्रपद शुक्ल पंचमी के दिन भी 'नाग पंचमी' मनाई जाती है। ज्योतिष के अनुसार पंचमी तिथि के स्वामी नाग हैं, इसीलिए मान्यता है कि नाग पंचमी के दिन भगवान शिव के आभूषण नाग देवता की पूजा पूरे विधि-विधान से करने से घर में सुख, शांति और समृद्धि के अलावा आध्यात्मिक शक्ति, अपार धन और मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है और सर्पदंश के भय से भी मुक्ति मिलती है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार नाग पंचमी इस बार हस्त नक्षत्र के शुभ संयोग में मनाई जाएगी। नाग पंचमी के दिन कुछ स्थानों पर 'कुश' नामक घास से नाग की आकृति बनाकर दूध, घी, दही इत्यादि से इनकी पूजा की जाती है जबकि कुछ अन्य स्थानों पर नागों के चित्र या मूर्ति को लकड़ी के एक पाट पर स्थापित कर मूर्ति पर हल्दी, कुमकुम, चावल, फूल चढ़ाकर पूजन किया जाता है और पूजन के पश्चात कच्चा दूध, घी, चीनी मिलाकर नाग मूर्ति को अर्पित की जाती है। मान्यता है कि ऐसा करने से नागराज वासुकि प्रसन्न होते हैं और पूजा करने वाले परिवार पर नाग देवता की कृपा होती है। कुछ धर्म ग्रंथों में नागों को पूर्वजों की आत्मा के रूप में भी माना गया है। हिन्दू धर्म की मान्यताओं के अनुसार नागों को पौराणिक काल से ही देवता के रूप में पूजा जाता रहा है और नाग पंचमी के दिन नाग पूजन करने का तो काफी ज्यादा महत्व माना गया है। भारत में कई स्थानों पर नाग देवता के कई प्राचीन मंदिर हैं और नागालैंड, नागपुर, अनंतनाग, शेषनाग, नागवनी, नागारखंड, भागसूनाग इत्यादि देश में कई स्थानों का तो नाम ही नागों के नाम पर ही रखा गया है। नागालैंड को तो नागवंशियों का मुख्य स्थान माना गया है और कुछ ग्रंथों में कश्मीर को भी नागभूमि कहा गया है। भारत में दक्षिण भारत के पर्वतीय इलाकों के अलावा उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम इत्यादि में नाग पूजा प्रमुखता से होती है। जिस प्रकार हमारे कुल देवताओं में देवी-देवता शामिल होते हैं, ठीक उसी प्रकार विभिन्न क्षेत्रों में नागों को भी 'स्थान देवता' माना जाता है। कई जगहों पर तो नागों को कुल देवता, ग्राम देवता और क्षेत्रपाल भी कहा जाता है। हमारे धर्म शास्त्रों के अनुसार कुल 33 कोटि देवी-देवता हैं, जिनमें नाग भी शामिल हैं।

नागों की उत्पत्ति और उनके पाताललोक वासी होने को लेकर महाभारतकालीन एक कथा प्रचलित है। वराहपुराण के अनुसार, महर्षि कश्यप की तेरह पत्नियां थी, जिनमें से एक थी राजा दक्ष की पुत्री कद्रू, जिसने महर्षि कश्यप की बहुत सेवा की, जिससे प्रसन्न होकर महर्षि ने कद्रू को वरदाने मांगने के लिए कहा। कद्रू ने उनसे एक हजार तेजस्वी नाग पुत्रों का वरदान मांगा। महर्षि कश्यप के वरदानस्वरूप कद्रू से ही नाग वंश की उत्पत्ति हुई लेकिन जब इन नागों ने धरती पर लोगों को डसना शुरू किया तो नागों से रक्षा के लिए सभी ने ब्रह्माजी से प्रार्थना की। तब ब्रह्माजी ने सभी नागों को श्राप देते हुए कहा कि जिस तरीके से तुम लोगों पर अत्याचार कर रहे हो, अगले जन्म में तुम सभी का नाश हो जाएगा। यह श्राप सुनकर नाग भयभीत हो गए और उन्होंने कातर स्वर में ब्रह्माजी से प्रार्थना की कि जिस प्रकार मनुष्यों के रहने के लिए उन्हें पृथ्वी दी गई है, उसी प्रकार उन्हें भी इस ब्रह्माण्ड में कोई अलग स्थान दिया जाए, जिससे इस समस्या का भी समाधान हो जाएगा। तब ब्रह्माजी ने उन्हें रहने के लिए पाताल देते हुए कहा कि अब से तुम सभी भूमि के अंदर पाताललोक में ही रहोगे। उसके बाद सभी नाग पाताललोक में निवास करने लगे। माना जाता है कि ब्रह्माजी ने मनुष्यों की नागों से रक्षा के लिए जिस दिन उनके पाताल में रहने की व्यवस्था की, उस दिन सावन महीने की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि थी और तभी से इसी तिथि पर नागों की पूजा के लिए नाग पंचमी त्योहार मनाया जाने लगा। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार नाग भगवान शिव के गले का हार तो हैं ही, भगवान विष्णु भी समुद्र में शेषनाग की शैया पर विश्राम करते हैं और यह भी मान्यता है कि हमारी धरती इन्हीं शेषनाग के फन पर टिकी है। त्रेता युग में शेषनाग ने भगवान श्रीराम के छोटे भाई लक्ष्मण के रूप में धरती पर जन्म लिया था और द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई बलराम भी शेषनाग के अवतार माने गए हैं। वैसे वैज्ञानिक दृष्टिकोण से नागों को कृषक मित्र जीव माना गया है। दरअसल ये खेतों में फसलों के लिए खतरनाक जीवों, चूहों इत्यादि का भक्षण कर फसलों के लिए मित्र साबित होते हैं लेकिन वर्तमान समय में नागों या सांपों की खाल, जहर इत्यादि चीजों से बड़े व्यापारिक लाभ के लिए बड़ी संख्या में इन्हें मारा और बेचा जाता है। इसी कारण वन्य और जीव-जंतु विभाग तथा सरकारों द्वारा नागों को संरक्षित करने के लिए सांपों को पकड़ने और उन्हें दूध पिलाने पर रोक लगाई जाती है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

मानसिक स्वास्थ्य की सुविधाओं के प्रति उदासीनता घातक

किसी स्वस्थ आदमी का अस्वस्थ होना व्यक्ति, उसके परिवार, सगे-सम्बन्धी और परिजन और मित्र सभी के लिए पीड़ादायी होता है और जीवन की स्वाभाविक गति में ठहराव आ जाता है । तीव्र सामाजिक परिवर्तन के दौर में लगातार बदलाव आ रहे हैं और युवा पीढ़ी इनसे कई तरह प्रभावित हो रही है। उच्च शिक्षा के परिसरों में आत्म हत्या, मानसिक शोषण और अस्वास्थ्य की दुर्घटनाएं लगातार सुनाई पड़ रही हैं।

गिरीश्वर मिश्र

स्वस्थ रहना हमारी स्वाभाविक स्थिति होनी चाहिए पर समकालीन परिवेश में ज्यादातर लोगों के लिए यह संभव नहीं हो पा रहा है । स्वास्थ्य में थोड़ा बहुत उतार-चढ़ाव तो ठीक होता है और वह जल्दी ही संभल भी जाता है पर परेशानी ज्यादा होने पर वह असह्य हो जाता है और तब व्यक्ति को 'बीमार' या 'रोगी' कहा जाता है। तब मन बेचैन रहता है, शरीर में ताकत नहीं रहती और दैनिक कार्य तथा व्यवसाय आदि के दायित्व निभाना कठिन हो जाता है, जीवन जोखिम में पड़ता सा लगता है और उचित उपचार के बाद ही स्वास्थ्य की वापसी होती है।

किसी स्वस्थ आदमी का अस्वस्थ होना व्यक्ति, उसके परिवार, सगे-सम्बन्धी और परिजन और मित्र सभी के लिए पीड़ादायी होता है और जीवन की स्वाभाविक गति में ठहराव आ जाता है । तीव्र सामाजिक परिवर्तन के दौर में लगातार बदलाव आ रहे हैं और युवा पीढ़ी इनसे कई तरह प्रभावित हो रही है। उच्च शिक्षा के परिसरों में आत्म हत्या, मानसिक शोषण और अस्वास्थ्य की दुर्घटनाएं लगातार सुनाई पड़ रही हैं। प्रतिभाशाली छात्रों को कोचिंग केंद्रों में शोषण की प्रवृत्ति कितनी घातक है इसका अनुभव बार-बार हो रहा है। ये सब घटनाएं प्रशासन को ध्यान देने के लिए चीख रही हैं। इधर यूजीसी और सुप्रीम कोर्ट ने युवा वर्ग की स्वास्थ्य की बिगड़ती स्थिति का गंभीरता से संज्ञान लिया है और इसके लिए टास्क फोर्स भी गठित हुई है।

गौरतलब है कि शारीरिक स्वास्थ्य और अस्वास्थ्य को आसानी से पहचान लिया जाता है परंतु मानसिक रोगों की उपेक्षा की जाती है। मानसिक रोगों के लिए विशेष प्रशिक्षण और अध्ययन की आवश्यकता होती है। मनोचिकित्सा को विषय के रूप में मेडिकल कालेज में साइकियाट्री के अंतर्गत रखा जाता है और इसमें एमडी की विशेषज्ञता भी होती है। इसी से जुड़े विषय क्लिनिकल साइकोलोजी और काउनसेलिंग भी हैं जो मनोविज्ञान विषय के अंग हैं और मानसिक स्वास्थ्य । अध्ययन की यह व्यवस्था यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत है और भारत में भी मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में शिक्षण, प्रशिक्षण तथा अनुसंधान की व्यवस्था की गई है । गौरतलब है कि भारत में मानसिक स्वास्थ्य सुविधाएं जनसंख्या की दृष्टि बहुत कम और अपर्याप्त हैं । क्लिनिकल साइकोलोजी के अध्ययन की कुछ चुनिंदा संस्थाएं हैं जहां जरूरी और प्रामाणिक प्रशिक्षण दिया जाता है। इस दृष्टि से एमए करने के बाद क्लिनिकल साइकोलोजी में एमफिल की एक प्रोफेशनल डिग्री का प्रावधान किया गया है। इसके अंतर्गत मानसिक स्वास्थ्य और उपचार के लिए गहन सैद्धांतिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके द्वारा मानसिक रोगियों के उपचार के लिए प्रशिक्षुओं को थेरेपी देने के लिए योग्य बनाया जाता है। इस तरह के पाठ्यक्रम निमहैंस बेंगलुरु जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में चलते हैं और रिहैबिलिटेशन कौंसिल आफ इंडिया (आरसीआई) द्वारा इनकी निगरानी भी की जाती है। नई शिक्षा नीति में एमफिल की डिग्री को एक सामान्य नीतिगत निर्णय के तहत बंद करने का फैसला लिया गया है। इस फैसले के फलस्वरूप अन्य विषयों के तर्ज पर क्लिनिकल साइकोलोजी में भी एमफिल डिग्री को बंद करना होगा। ध्यातव्य है कि इस एमफिल डिग्री की उपादेयता को अन्य विषयों में एम फिल के साथ जोड़कर और उनके बराबर रख कर देखना घातक है। इसका स्वरूप, उद्देश्य और अध्ययन पद्धति भिन्न है। इसको बंद करने से मानसिक स्वास्थ्य के देखरेख के लिए जो भी थोड़े बहुत मानव संसाधन तैयार हो रहे थे उसे भी बन्द कर दिया जाएगा। यह समाज के लिए निश्चय बड़ा ही आत्मघाती कदम साबित होगा। किसी नीति को बिना बिचारे आंख मूंद कर लागू करना हानिकर होता है। सरकार को मानासिक स्वास्थ्य सुविधाओं और उसके प्रशिक्षित कर्मियों की उपलब्धता को सुनिश्चित करने के प्रयास को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। इस दृष्टि से एमफिल क्लिनिकल साइकोलोजी का पाठ्यक्रम बंद करने का कोई तुक नहीं है। सरकार को इस पर पुनर्विचार करना होगा और मनोचिकित्सा के क्षेत्र को और समृद्ध करना होगा। यह भी ध्यान देने की बात है कि मानसिक परेशानी के चलते शारीरिक बीमारियां भी होती हैं। इसी तरह शारीरिक रोग से मानसिक रुग्णता भी पैदा होती है । शरीर और मन को अलग रखना गलत है क्योंकि स्वास्थ्य और अस्वास्थ्य दोनों ही स्थितियों में ये एक संयुक्त इकाई के रूप में ही काम करते हैं। हम रोग का अनुभव भी करते हैं और उससे निपटने की कोशिश भी करते हैं। आज बेरोजगारी, सामाजिक अन्याय, पारिवारिक विघटन, जीवन-हानि, और गरीबी जैसी स्थितियां आम आदमी के मानसिक स्वास्थ्य के लिए चुनौती बनती जा रही हैं। कम्प्यूटर, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धि जैसे तकनीकी हस्तक्षेपों के चलते काम-काज अधिकाधिक स्वचालित होते जा रहे हैं। स्मार्टफोन और टेबलेट जैसे सूचना और संचार के उपकरणों के नए-नए माडल शान-शौकत का प्रतीक भी बनते जा रहे हैं। सोशल मीडिया की लत भयानक साबित हो रही है । लोग 'लाइक' और 'सब्सक्राइब' करने के अनुरोध से आजिज आने लगे हैं। ऐसे उपकरणों के न होने पर आदमी की हैसियत कम आंकी जाती है जो मानसिक अस्वास्थ्य का एक कारण बनती है। साथ ही शारीरिक श्रम से बचने और फास्ट और जंक फूड खाने से शरीर बेडौल हो रहा है और लोग किस्म-किस्म के रोगों के भी शिकार हो रहे हैं । वैश्विक स्तर पर हुए स्वास्थ्य-सर्वेक्षणों में दुश्चिंता, ओसीडी, पीटीएसडी, फोविया, बाई पोलर डिसऑर्डर आदि मनोरोगों से ग्रस्त लोगों की संख्या निरंतर बढ़ रही है। लोग मादक द्रव्य, तम्बाकू, मद्यपान, और विभिन्न ड्रग्स का सेवन भी तेजी से कर रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रपटें इक्कीसवीं सदी में स्वास्थ्य का भयावह चित्रण कर रही हैं। स्थिति की भयावहता का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि अकेले उत्तरी अमेरिका में सन 2022 में 326 बिलियन डालर अवसाद (डिप्रेशन)के उपचार में खर्च हुआ था। दस वर्ष पहले 2010 में यह खर्च 210.5 बिलियन डालर का था। प्रौढ़ जनसंख्या में एक तिहाई लोग अनिद्रा रोग से ग्रस्त है। गौरतलब है कि 1999 के बाद आत्महत्या के मामलों में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। भारत में 2017 में हुए सर्वेक्षण में हर सात भारतीयों में से एक किसी न किसी मनोरोग से ग्रस्त होता पाया गया। आज अच्छी स्वास्थ्य सुविधाओं और आर्थिक संसाधन बढ़ने के साथ जीवन-विस्तार यानी शरीर की आयु तो बढ़ गई पर आदमी का मन कमजोर होने लगा। अल्जाइमर और डेमेंशिया के रोगी प्रौढ़ होते लोगों में तेजी से बढ़ रही हैं। अवसाद, मद्यनिर्भरता, बाई पोलर डिसऑर्डर और शीजोफ्रेनिया आज एक महामारी के रूप में उभर रही है। दुश्चिंता (ऐंगजाइटी) , जिसमें जीवन के भविष्य को लेकर भय और जोखिम की चिंता, पेशीय तनाव आदि शामिल होता है। यही प्रवृत्ति बनी रही तो इस सदी के तीसरे दशक में पहुंचते हुए वैश्विक स्तर पर 16 ट्रिलियन डालर मनोरोगों से जूझने में खर्च करने होंगे।

सांपों के प्रति समर्पण की सांस्कृतिक परंपरा है नाग पंचमी

श्रावण मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी को प्रतिवर्ष देशभर में नाग पंचमी का त्योहार मनाया जाता है, जो इस वर्ष 29 जुलाई को मनाया जा रहा है। हालांकि कुछ राज्यों में चैत्र तथा भाद्रपद शुक्ल पंचमी के दिन भी ह्यनाग पंचमीह्व मनाई जाती है। ज्योतिष के अनुसार पंचमी तिथि के स्वामी नाग हैं, इसीलिए मान्यता है कि नाग पंचमी के दिन भगवान शिव के आभूषण नाग देवता की पूजा पूरे विधि-विधान से करने से घर में सुख, शांति और समृद्धि के अलावा आध्यात्मिक शक्ति, अपार धन और मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है और सर्पदंश के भय से भी मुक्ति मिलती है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार नाग पंचमी इस बार हस्त नक्षत्र के शुभ संयोग में मनाई जाएगी। नाग पंचमी के दिन कुछ स्थानों पर ह्यकुशह्व नामक घास से नाग की आकृति बनाकर दूध, घी, दही इत्यादि से इनकी पूजा की जाती है जबकि कुछ अन्य स्थानों पर नागों के चित्र या मूर्ति को लकड़ी के एक पाट पर स्थापित कर मूर्ति पर हल्दी, कुमकुम, चावल, फूल चढ़ाकर पूजन किया जाता है और पूजन के पश्चात कच्चा दूध, घी, चीनी मिलाकर नाग मूर्ति को अर्पित की जाती है। मान्यता है कि ऐसा करने से नागराज वासुकि प्रसन्न होते हैं और पूजा करने वाले परिवार पर नाग देवता की कृपा होती है। कुछ धर्म ग्रंथों में नागों को पूर्वजों की आत्मा के रूप में भी माना गया है। हिन्दू धर्म की मान्यताओं के अनुसार नागों को पौराणिक काल से ही देवता के रूप में पूजा जाता रहा है और नाग पंचमी के दिन नाग पूजन करने का तो काफी ज्यादा महत्व माना गया है। भारत में कई स्थानों पर नाग देवता के कई प्राचीन मंदिर हैं और नागालैंड, नागपुर, अनंतनाग, शेषनाग, नागवनी, नागारखंड, भागसूनाग इत्यादि देश में कई स्थानों का तो नाम ही नागों के नाम पर ही रखा गया है। नागालैंड को तो नागवंशियों का मुख्य स्थान माना गया है और कुछ ग्रंथों में कश्मीर को भी नागभूमि कहा गया है। भारत में दक्षिण भारत के पर्वतीय इलाकों के अलावा उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम इत्यादि में नाग पूजा प्रमुखता से होती है। जिस प्रकार हमारे कुल देवताओं में देवी-देवता शामिल होते हैं, ठीक उसी प्रकार विभिन्न क्षेत्रों में नागों को भी ह्यस्थान देवताह्व माना जाता है। कई जगहों पर तो नागों को कुल देवता, ग्राम देवता और क्षेत्रपाल भी कहा जाता है। हमारे धर्म शास्त्रों के अनुसार कुल 33 कोटि देवी-देवता हैं, जिनमें नाग भी शामिल हैं। नागों की उत्पत्ति और उनके पाताललोक वासी होने को लेकर महाभारतकालीन एक कथा प्रचलित है। वराहपुराण के अनुसार, महर्षि कश्यप की तेरह पत्नियां थी, जिनमें से एक थी राजा दक्ष की पुत्री कद्रू, जिसने महर्षि कश्यप की बहुत सेवा की, जिससे प्रसन्न होकर महर्षि ने कद्रू को वरदाने मांगने के लिए कहा। कद्रू ने उनसे एक हजार तेजस्वी नाग पुत्रों का वरदान मांगा। महर्षि कश्यप के वरदानस्वरूप कद्रू से ही नाग वंश की उत्पत्ति हुई लेकिन जब इन नागों ने धरती पर लोगों को डसना शुरू किया तो नागों से रक्षा के लिए सभी ने ब्रह्माजी से प्रार्थना की। तब ब्रह्माजी ने सभी नागों को श्राप देते हुए कहा कि जिस तरीके से तुम लोगों पर अत्याचार कर रहे हो, अगले जन्म में तुम सभी का नाश हो जाएगा। यह श्राप सुनकर नाग भयभीत हो गए और उन्होंने कातर स्वर में ब्रह्माजी से प्रार्थना की कि जिस प्रकार मनुष्यों के रहने के लिए उन्हें पृथ्वी दी गई है, उसी प्रकार उन्हें भी इस ब्रह्माण्ड में कोई अलग स्थान दिया जाए, जिससे इस समस्या का भी समाधान हो जाएगा। तब ब्रह्माजी ने उन्हें रहने के लिए पाताल देते हुए कहा कि अब से तुम सभी भूमि के अंदर पाताललोक में ही रहोगे। उसके बाद सभी नाग पाताललोक में निवास करने लगे। माना जाता है कि ब्रह्राजी ने मनुष्यों की नागों से रक्षा के लिए जिस दिन उनके पाताल में रहने की व्यवस्था की, उस दिन सावन महीने की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि थी और तभी से इसी तिथि पर नागों की पूजा के लिए नाग पंचमी त्योहार मनाया जाने लगा।

सेहत

डेंगू से रहें सावधान

डेंगू बुखार एक मच्छर जनित वायरल संक्रमण है जो दुनिया भर के उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में आम है। यह डेंगू वायरस के कारण होता है, जो संक्रमित एडीज मच्छरों, मुख्यत: एडीज एजिप्टी, के काटने से मनुष्यों में फैलता है। डेंगू का प्रभावी ढंग से प्रबंधन और डेंगू रक्तस्रावी बुखार या डेंगू शॉक सिंड्रोम जैसी गंभीर जटिलताओं को रोकने के लिए शीघ्र निदान और सहायक देखभाल अत्यंत महत्वपूर्ण है। डेंगू बुखार आमतौर पर अचानक तेज बुखार के साथ शुरू होता है। इसके बाद तेज सिरदर्द, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द, चकत्ते और कभी-कभी हल्का रक्तस्राव होता है। ये लक्षण असहज और काफी दर्दनाक हो सकते हैं। हालाँकि, असली खतरा गंभीर डेंगू से होता है, जिसे डेंगू रक्तस्रावी बुखार या डेंगू शॉक सिंड्रोम भी कहा जाता है। गंभीर डेंगू गंभीर जटिलताएँ पैदा कर सकता है और जानलेवा भी हो सकता है। सात प्रमुख चेतावनी संकेतों पर चर्चा करेंगे जो संकेत दे सकते हैं कि बीमारी गंभीर डेंगू में बदल रही है। इन चेतावनी संकेतों में पेट में तेज दर्द, लगातार उल्टी, तेज साँसें, मसूड़ों से खून आना, थकान, बेचैनी और उल्टी में खून आना शामिल हैं। सही इलाज पाने के लिए इन संकेतों को जल्दी पहचानना जरूरी है।

डेंगू बुखार के 7 प्रमुख चेतावनी संकेत : चेतावनी के संकेतों को जल्दी पहचानने से आपको सही इलाज मिल सकता है और गंभीर जटिलताओं से बचा जा सकता है। डेंगू बुखार के सात प्रमुख चेतावनी संकेत इस प्रकार हैं :

तेज बुखार
तेज सिरदर्द
जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द
मतली और उल्टी
त्वचा पर चकत्ते
थकान और कमजोरी
हल्का रक्तस्राव

डेंगू बुखार के लक्षण : तेज बुखार (104त्रया उससे अधिक) इसका पहला और सबसे आम लक्षण अचानक, तेज बुखार है जो कई दिनों तक रह सकता है, अक्सर ठंड लगने और बेचैनी के साथ।

आँखों के पीछे तेज सिरदर्द और दर्द : आँखों के पीछे एक विशिष्ट दर्द, जो हिलने-डुलने से बढ़ जाता है, डेंगू के सबसे पहचानने योग्य लक्षणों में से एक है। यह तेज सिरदर्द अक्सर प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता, बुखार और मांसपेशियों में दर्द के साथ होता है, जिससे मरीजों के लिए दैनिक गतिविधियाँ करना मुश्किल हो जाता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

उपायुक्त ने किया मेला क्षेत्र का निरीक्षण

श्रद्धालुओं की सुविधा व विधि-व्यवस्था को लेकर दिए दिशा-निर्देश

संवाददाता

बासुकीनाथ: श्रावणी मेला के 19वें दिन मंगलवार को उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने बासुकीनाथ मेल क्षेत्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को कतार में अधिक देर तक खड़ा नहीं रहना पड़े, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। सभी श्रद्धालु सुरक्षित एवं व्यवस्थित रूप से कतारबद्ध होकर जलार्पण करें, यह सुनिश्चित किया जाए। दरअसल सोमवार को देवघर स्थित बाबा धाम में जलार्पण के उपरांत मंगलवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु बासुकीनाथ पहुँचते हैं, ऐसे में सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों को अलर्ट मोड में रहते हुए पूरी तत्परता से अपने दायित्वों का निर्वहन करने का

निर्देश दिया गया है। कतार में खड़े श्रद्धालुओं के लिए पेयजल सहित सभी आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया। जो श्रद्धालु कतार में खड़े नहीं रह सकते, उन्हें जलार्पण काउंटर के संबंध में समुचित जानकारी देने का निर्देश भी उपायुक्त ने अधिकारियों को दिया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने सिंह द्वार स्थित स्वास्थ्य शिविर,टेंट अस्पताल का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि सभी आवश्यक दवाइयाँ पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहें और श्रद्धालुओं को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा प्रदान की जाए। इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने कंट्रोल रूम के माध्यम से पूरे मेला क्षेत्र की निगरानी की। उन्होंने सभी चेक पॉइंट्स पर विशेष नजर रखने तथा विधि-व्यवस्था की किसी भी स्थिति से निपटने हेतु सतर्क रहने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया।

डॉक्टरों की निगरानी में हो रही है श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य जांच: उपायुक्त

देवघर : जिले के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा द्वारा जानकारी दी गई है कि सुबह लगभग 05:30 बजे मोहनपुर प्रखंड के जमुनिया चौक के पास बस दुर्घटना में घायल श्रद्धालुओं को सदर अस्पताल में चिकित्सकों की निगरानी में स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। दुर्घटना में 06 श्रद्धालुओं की मृत्यु हुई है और 24 श्रद्धालुओं घायल है, जिनमें 08 श्रद्धालुओं का एम्स में इलाज चल रहा है। शेष श्रद्धालु सदर अस्पताल में इलाजरत है।

विद्युत शिविर उपभोक्ताओं को मिली ऑन-द-स्पॉट राहत

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : विद्युत उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित समाधान और बकाया बिल वसूली के को लेकर विद्युत कार्यपालक अभियंता के निर्देश पर सोमवार को उधवा प्रखंड क्षेत्र की दक्षिण पलाशगाछी पंचायत भवन में एक विशेष विद्युत शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में दक्षिण पलाशगाछी और आसपास के विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में विद्युत उपभोक्ता अपनी बिजली बिल से संबंधित समस्याओं को लेकर पहुंचे। शिविर में मौजूद बिजली विभाग के कर्मियों ने उपभोक्ताओं की समस्याओं को बारी-बारी से सुना और अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया। कई

उपभोक्ताओं ने बताया कि उन्हें बिल में गड़बड़ी, अधिक बिल आने या मीटर रीडिंग से जुड़ी दिक्कतें थीं, जिनका निराकरण शिविर में ही कर दिया गया। समस्याओं के समाधान के साथ-साथ, शिविर में उपभोक्ताओं ने अपने बिजली के बकाया बिलों का भुगतान भी किया, जिससे राजस्व संग्रहण में भी मदद मिली। इस अवसर पर ऊर्जा मित्र अमित ठाकुर, सैदूल इस्लाम, लाइनमैन अरुण सहित बिजली विभाग के कई कर्मी उपस्थित थे, जिन्होंने उपभोक्ताओं को आवश्यक सहायता प्रदान की।

सदर अस्पताल में मरीजो की भीड़ को देखते हुए बेड की संख्या बढ़ाई जाये: एखलाक नदीम

युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष एखलाक नदीम ने पत्र के माध्यम से उपायुक्त से की मांग

संवाददाता

साहिबगंज:युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष एखलाक नदीम ने शिक्षा स्वास्थ्य सौंदरीकरण सहित अन्य मांगो को लेकर साहिबगंज उपायुक्त को पत्र लिखा। एखलाक नदीम ने पत्र के माध्यम से उपायुक्त को बताया की साहिबगंज नगर क्षेत्र के धोबी झरणा बांध सौंदर्यकरण के साथ-साथ उसकी सफाई कराकर पर्यटक के रूप में विकसीत करने की बात कही।वही मो नदीम ने साहिबगंज सदर अस्पताल में सीटी स्कैन एवं लाई मशीन की सुविधा जनता को मिले।इसका जल्द व्यवस्था किया जाए।उन्होंने सदर अस्पताल में मरीजो की

भीड़ को देखते हुए सदर अस्पताल में बेड की सुविधा के साथ अतिरिक्त कमरा की व्यवस्था सदर अस्पताल की छत में किया जाए।मो नदीम ने साहिबगंज महाविद्यालय,साहिबगंज में बीएड की पढ़ाई जो बोर्ड से बंद कर दिया गया है।उसे आप अपने स्तर से प्रयास कर बीएड की पढ़ाई चालू किया जाए,जिससे छात्र छात्राओं को बीएड की पढ़ाई के लिए बाहर भटकना न पड़े.उन्होंने कहा की साहिबगंज शहर मे विद्युत विभाग द्वारा जो केबल का कार्य चल रहा है।वह बहुत ही धीमी गति से चल रहा है।साथ ही विधुत काम के नाम पर पुरा शहर का लाईन काट दिया जाता है।मो नदीम ने उपायुक्त से इन सभी मांगों को जल्द से जल्द दूर करने की मांग की है।

गुणवत्ता पर उठ रहे सवाल से निर्माणाधीन बोल्डर क्रेटिंग का एक बड़ा हिस्सा गंगा नदी में समाया

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : प्रखंड के पूर्वी प्राणपुर से श्रीधर कॉलोनी नंबर दस तक गंगा पंप नहर साहिबगंज के ओर से गंगा किनारे चल रहे 7.54 करोड़ रुपये की लागत वाले महत्वाकांक्षी गंगा कटाव निरोधक कार्य की गुणवत्ता पर अब सवाल उठ गए हैं। कार्य अभी आधा भी पूरा नहीं हो पाया है कि सोमवार दोपहर को बोल्डर क्रेटिंग का एक बड़ा हिस्सा गंगा नदी के तेज कटाव में समा गया। जिससे निर्माण कार्य में भारी अनियमितता और घटिया सामग्री के उपयोग की पोल खुल गई है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब स्थानीय ग्रामीण लगातार इस परियोजना की गुणवत्ता

को लेकर शिकायतें कर रहे थे। ग्रामीणों का आरोप था कि निर्माण कार्य में घटिया किस्म की सामग्री का इस्तेमाल किया जा रहा है।जिससे करोड़ों रुपये की यह योजना गंगा की धाराओं का सामना नहीं कर पाएगी। उनकी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए, विभाग के कार्यपालक अभियंता बलेश्वर मुर्मू के नेतृत्व में एक जांच टीम ने हाल ही में स्थल का निरीक्षण किया था। जांच के दौरान टीम ने खुद पाया कि कार्य में निम्न स्तर की सामग्री का प्रयोग हो रहा है और उन्होंने संवेदक को इसे तुरंत हटाने तथा गुणवत्ता सुधारने का निर्देश भी दिया था। हालाकी ग्रामीणों का दावा है कि जांच टीम के निदेर्शों और शिकायतों के बावजूद, संबंधित संवेदक ने अपनी कार्यप्रणाली में कोई सुधार नहीं किया। उन्होंने घटिया सामग्री का उपयोग जारी रखा, जिसका परिणाम आज देखने को मिला जब करोड़ों रुपये की लागत से बना बोल्डर क्रेटिंग का हिस्सा गंगा में विलीन हो गया। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने एक बार फिर उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। ज्ञात हो कि दियारा क्षेत्रों में प्रत्येक वर्ष भीषण बाढ़ के साथ गंगा कटाव भी जारी रहता है। गंगा कटाव से अब तक सैकड़ों घर, कृषि योग्य भूमि और स्कूल गंगा में विलीन हो चुके हैं, जिससे प्रत्येक वर्ष लोगों को कटाव की चिंता सताती है। ऐसे में इस परियोजना में हुई लापरवाही ने ग्रामीणों की चिंता को और बढ़ा दिया है।

शिव भक्त श्रद्धापूर्वक कर रहे हैं बाबा को जलाभिषेक

संवाददाता

देवघर: श्रावणी मेला, 2025 के तीसरी सोमवारी और 18वें दिन आज श्रद्धालुओं की कतार कुमैठा तक पहुँची, जिसके पश्चात अहले सुबह 04:06 बजे से जलार्पण शुरू हुआ। इसके अतिरिक्त जलार्पण करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 3,64,321 है। साथ ही बाह्य अर्घा के माध्यम से 197,896 आंतरिक अर्घा से 1,66,425 श्रद्धालुओं ने जलार्पण किया।

कार की टक्कर से एक घायल

संवाददाता

साहिबगंज:जिरवाबाडी थाना क्षेत्र के बड़ा पंचगढ निवासी को राजेश सिंह को रविवार देर रात एक कार ने जोरदार टक्कर मार दिया। टक्कर से राजेश दूर जा गिरा जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से राजेश को इलाज के लिए सदर अस्पताल में में भर्ती करवाया। जहां डाक्टर ऋतुराज ने प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। इधर जिरवाबाडी पुलिस को सूचना मिलते हैं सदर अस्पताल पहुंचकर मामले की छानबीन करते हुए कार को जब्त कर थाना ले आई। सूत्रों के अनुसार बताया जा रहा है कि राजेश अपने घर के पास खड़ा था। इसी दौरान तेज रफ्तार एक कार पंच जेएस 04एबी 7098 ने सीधा टक्कर मार दिया। जिससे उनके सिर व चेहरे और हाथ पर गंभीर चोट लगी।आनन फानन में राजेश को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

ग्रामीण विकास योजनाओं की प्रगति को लेकर समीक्षात्मक बैठक

संवाददाता

साहिबगंज: समाहरणालय सभागार में उप विकास आयुक्त सतीष चंद्रा की अध्यक्षता में ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत संचालित योजनाओं – प्रधानमंत्री जनमन योजना , प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर आवास योजना और अंबेडकर आवास योजना की प्रखंडवार विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य सभी योजनाओं की वर्तमान प्रगति की समीक्षा करना और निर्धारित लक्ष्य तिथि 15 अगस्त 2025 तक कार्य पूर्ण कराने हेतु दिशा-निर्देश देना था।बैठक में प्रस्तुत प्रजेंटेशन के अनुसार, योजना अंतर्गत वर्ष 2024-25 में स्वीकृत आवासों की संख्या एवं उनके चरणवार भुगतान 1, 2और 3 किस्त एवं निर्माण की स्थिति की समीक्षा की

गई। साथ ही 2016-2022 तक की कुल लंबित आवासों की रिपोर्ट पर भी चर्चा हुई। डेटा के माध्यम से ग्राम सभा द्वारा अनुमोदित अंतिम पीडब्यूएल में शामिल लाभुकों की स्थिति और लंबित स्वीकृतियों पर भी विशेष जोर दिया गया। पीएम योजना की प्रगति रिपोर्ट में चिन्हित गांवों में बुनियादी सुविधाओं के विकास की स्थिति की समीक्षा की गई। एएवाई योजना के अंतर्गत वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 की प्रगति, विशेषकर 60 दिनों से अधिक समय से लंबित जियो टैगिंग मामलों पर कड़ी नाराजगी जताई गई। संबंधित प्रखंडों को कार्य में तेजी लाने और जियो टैगिंग शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।बीएसबीएएवाई योजना की समीक्षा के दौरान वर्ष 2016-2024 के बीच स्वीकृत आवासों की प्रगति, किस्तवार भुगतान एवं पूर्णता रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। साथ ही, लंबित आवासों को चिन्हित कर शीघ्र कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए।उप विकास आयुक्त सतीष चंद्रा ने सभी ब्लॉक कोऑर्डिनेटरों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सभी लंबित आवासों को 15 अगस्त 2025 तक हर हाल में पूर्ण कराया जाए। प्रखंड विकास पदाधिकारियों को जिम्मेदारी लेते हुए नियमित निगरानी करने और कार्य में तेजी लाने को कहा गया।बैठक में सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, आवास कोऑर्डिनेटर, जेएस एलपीएस के डीपीओव बीडीओ जूनियर इंजीनियर्स सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। योजनाओं की मॉनिटरिंग में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करने हेतु ब्लॉक स्तर पर नियमित रिपोर्टिंग और फील्ड विजिट के निर्देश भी दिए गए।

न्यूज IN ब्रीफ

फरार शेख अफरान गिरफ्तार

साहिबगंज: मुफस्सिल थाना क्षेत्र के महादेवगंज मुस्लिम टोला निवासी मो.शेख अफरान को मुफस्सिल पुलिस ने गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी मदन कुमार ने बताया कि शेख अफरान के विरुद्ध थाना में मामला दर्ज था और यह लंबे समय से फरार चल रहा था। न्यायालय से शेख के विरुद्ध वारंट निर्गत किया गया था। गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी करते हुए गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

डीजल चोरी के आरोप में सात गिरफ्तार

साहिबगंज:रेलवे का डीजल चोरी मामले में पाकुड़ पुलिस ने कोटल पोखर के रहने वाले सात लोगों को गिरफ्तार किया है।जानकारी के अनुसार बताया जा रहा है। कि कोटालपोखर के रहने वाले आलमगीर आलम उर्फ कल्लू, जहांगीर आलम ,जहांगीर आलम जरजिस शेख,रकीब शेख, महमूद आलम सल्लम शेख के ऊपर रेलवे का डीजल चोरी करने का मामला पाकुड़ जीआरपी थाना में मामला दर्ज था।जीआरपी पुलिस की छानबीन में इन लोगों की संकल्पित पाई गई। जीआरपी पुलिस ने छापेमारी करते हुए सभी को गिरफ्तार किया। जिसके बाद साहिबगंज सदर अस्पताल में सभी की स्वास्थ्य जांच करने के बाद न्यायालय के समक्ष पेश किया।

नाबालिग से यौन शोषण का आरोपी गिरफ्तार

साहिबगंज: मुफस्सिल थाना क्षेत्र के हाजीपुर राजगांव निवासी भिखारी ठाकुर 58 वर्ष को थाना प्रभारी मदन कुमार ने एक नाबालिग बच्ची से शारीरिक यौन शोषण के आरोपी में गिरफ्तार किया हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि भिखारी ठाकुर काफी दिनों सें नाबालिग बच्ची से शारीरिक यौन शोषण कर रहा था। जब बच्ची के स्वजनों को इसकी जानकारी मिली तो वह लोग थाने में आवेदन देकर आरोपित के विरुद्ध कार्यवाई की मांग किए। आवेदन मिलते ही मामला दर्ज कर पुलिस तुरंत छापेमारी करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया और आरोपी से पुछताछ के बाद उसे जेल भेज दिया गया।

राज्यपाल ने की कुलपतियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक, दिये कई निर्देश

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सोमवार को राज भवन में राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में राज्य की उच्च शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ और गुणवत्तापूर्ण बनाने कई अहम निर्देश दिए। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, समयबद्ध परीक्षा आयोजन, परिणाम प्रकाशन एवं शैक्षणिक कैलेंडर के कठोर अनुपालन को सुनिश्चित करना होगा। परीक्षा समाप्ति के एक माह के भीतर परिणाम घोषित कर देना अनिवार्य होना चाहिए। प्रत्येक विश्वविद्यालय को समयबद्ध दीक्षांत समारोह आयोजित करने का निर्देश भी दिया। राज्यपाल ने कहा कि राज्य में ग्रोस इंरोलमेंट रेसियो वर्तमान में राष्ट्रीय औसत से लगभग 10 प्रतिशत कम है। इसके लिए विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में नामांकन बढ़ाने की दिशा में ठोस प्रयास करने की जरूरत है। कुलपति केवल प्रशासक नहीं, बल्कि शैक्षणिक नेतृत्वकर्ता होते हैं। उनके दृष्टिकोण और प्रयास राज्य की उच्च शिक्षा को नई दिशा दे सकते हैं। उन्होंने पीएचडी शोध की गुणवत्ता, मौलिकता एवं नवाचार पर विशेष ध्यान देने पर जोर दिया। राज्यपाल ने कहा कि कुछ शिक्षकों की कक्षा न लेने के संदर्भ में शिकायतें प्राप्त हुई हैं, ये गंभीर विषय है। सभी शिक्षक नियमित रूप से कक्षाएं लें और कुलपति स्वयं भी कक्षा लेकर प्रेरणा का कार्य करें। विश्वविद्याल रैंकिंग में सुधार के लिए ठोस प्रयास करें। अब समस्या नहीं, समाधान पर चर्चा करें। झारखंड को उच्च शिक्षा में देश के अग्रणी राज्यों में स्थान दिलाएं। वित्तीय अनुशासन, पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने के लिए सभी विश्वविद्यालयों को समय पर वित्तीय अंकेक्षण कर उसकी प्रति राज भवन को उपलब्ध कराएं। क्रय-विक्रय एवं प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और भ्रष्टाचार के प्रति पूर्ण जीरो टॉलरेंस अपनाने की बात कही। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों में प्लेसमेंट सेल औपचारिकता तक सीमित रहकर प्रभावी रूप में क्रियाशील बनाया जाए। छात्रावास, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के साथ-साथ सीसीटीवी निगरानी, सुरक्षा गार्ड और एंटी-रैगिंग सेल की सक्रियता अनिवार्य हो। खराब सीसीटीवी को बदला जाए और उनके सुचारू संचालन के लिए एएमसी करें। राज्यपाल ने स्किल डेवलपमेंट, बेहतर इंटर्नशिप और उद्योगों से साझेदारी बढ़ाने की आवश्यकता जताई। उन्होंने ऑनलाइन फीडबैक प्रणाली लागू कर विद्यार्थियों से नियमित प्रतिक्रिया लेने की बात भी कही। शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों के रिक्त पदों की नियुक्तियों में तेजी लाने के लिए राज्य सरकार से आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आवश्यकता आधारित शिक्षकों का स्थानांतरण नहीं किया जाना चाहिए, जो जहां के लिए नियुक्त हुए हैं, वहीं रहेंगे।

दो अफीम तस्कर को 15-15 वर्ष की सजा, डेढ़ -डेढ़ लाख का जुमार्ना

पलामू : पलामू जिला व्यवहार न्यायालय के प्रधान जिला और सत्र न्यायाधीश दिवाकर पांडेय की अदालत ने सोमवार को एनडीपीएस मामले में दोषी करार प्रदीप साव और गणेश सिंह को 15 -15 वर्ष की सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। वहीं डेढ़ -,डेढ़ लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है। जुमार्ना की राशि नहीं देने पर दोनों को एक-एक वर्ष अतिरिक्त साधारण कारावास की सजा भुगतनी होगी।
इस संबंध में मनातू के थाना प्रभारी निर्मल उरांव ने तीन लोगों प्रदीप साव, गणेश सिंह व कुलदीप गंझू के विरुद्ध कांड संख्या (12/2024) 18 मार्च 2024 को एनडीपीएस की धारा 15 सी, 18 बी, 19 व 29 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। आरोप था कि 28 मार्च 2023 को दोनों लोग मनातू थाना के आपटी स्कूल के पास पुलिस के जरिये पकड़े गए और दोनों के पास से करीब 2.220 किलोग्राम तथा 1.810 किलोग्राम अफीम बरामद हुआ था। दोनों लोगों के साथ एक अन्य अभियुक्त कुलदीप गंझू भी था, जो अफीम खरीदने के लिए आया था, लेकिन मौका देकर वह घटनास्थल से फरार हो गया था। तलाशी के दौरान 19 हजार रुपये भी बरामद हुए थे ।एक मोटरसाइकिल जेएच03 एई 8023 और लोहे का पार्ट तथा तराजू भी बरामद हुआ था।

प्रवीण बने आजसू के केंद्रीय उपाध्यक्ष, दीपक और संजय महासचिव

रांची : आजसू के वरिष्ठ नेता प्रवीण प्रभाकर को आजसू पार्टी का केंद्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है, जबकि दीपक महतो को केंद्रीय महासचिव और संजय मेहता को केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता नियुक्त किया गया है। आजसू पार्टी के केंद्रीय सुदेश महतो ने संगठन विस्तार करते हुए सोमवार को पार्टी के युवा आजसू और छात्र आजसू के कई पदों पर नए पदाधिकारियों की नियुक्ति की। इस मौके पर सुदेश ने नए पदाधिकारियों को शुभकामनाएं भी दी। पार्टी के प्रधान महासचिव रामचंद्र सहिस ने नए पदाधिकारियों की नियुक्ति की घोषणा करते हुए बताया कि बसंत महतो, कुमुद वर्मा और चंद्रशेखर सिंह छोटू को केंद्रीय सचिव बनाया गया है। मुन्नू अख्तर को हजारीबाग जिला सचिव बनाया गया है। वहीं ऋतुराज शाहदेव को आजसू छात्र संघ का केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष बनाया गया है, जबकि मो कैफ को युवा आजसू का दक्षिणी छोटानागपुर सह प्रभारी एवं संजय साहू को रांची जिला सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है।

एकता कपूर संग फिर से

काम करना चाहती हैं अंजुम फाकिह

टेलीविजन अभिनेत्री अंजुम फाकिह ने फिल्म और टीवी शो निर्माता एकता कपूर के साथ दोबारा काम करने की इच्छा जताई। कुंडली भाग्य और बड़े अच्छे लगते हैं 2 जैसे एकता के लोकप्रिय शो में काम कर चुकीं अंजुम ने बताया कि वह एकता की प्रशंसक हैं। अंजुम फाकिह ने कहा कि वह हमेशा से एकता कपूर और शोभा कपूर के काम को पसंद करती हैं और उनकी फैन हैं। समाचार एजेंसी से बात करते हुए उन्होंने क्योंकि सास भी कभी बहू थी के रीबूट की चर्चा पर कहा, मैं एकता, शोभा आंटी और बालाजी टेलीफिल्म्स की प्रशंसक हूं। अगर मुझे फिर से उनके साथ काम करने का मौका मिला, तो जरूर हां कहूंगी। अंजुम नए रियलिटी शो छोरियां चली गांव में नजर आएंगी, जिसमें वह शहर की चकाचौंध छोड़कर गांव की सादगी भरी जिंदगी को अपनाती लड़की के रूप में दिखेंगी। शो के बारे में उन्होंने कहा, हम शहर की लड़कियां हैं। गांव की जिंदगी का अनुभव करने का मौका कौन छोड़ेगा? यह कॉन्सेप्ट बहुत नया और रोमांचक है। मुझे नहीं लगता कि ऐसा शो पहले कभी देखा गया है। दर्शकों को यह देखना मजेदार लगेगा कि शहर की लड़कियां गांव में कैसे ढलती हैं। अंजुम ने बताया कि वह गांव में पैदा हुई थीं, लेकिन 15 साल से वहां नहीं गई। अब एक नए गांव में जाना उनके लिए अनोखा अनुभव होगा। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि वहां क्या होगा, लेकिन यही उत्साह और अनिश्चितता इस शो को मजेदार बनाती है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि गांव के पारंपरिक काम उनके लिए नए हैं। उन्होंने बताया, मैंने चूल्हे पर खाना बनाना या गांव के काम सिर्फ टीवी और फिल्मों में देखे हैं। मेरी दादी गर्मियों में गांव में यह सब करती थीं, लेकिन मैंने कभी कोशिश नहीं की।

बेटी के पैदा होने पर

बंदूक खरीदना चाहती थीं ऋचा

मां बनना अक्सर जिंदगी के सबसे बड़े बदलावों में से एक माना जाता है। अभिनेत्री ऋचा चड्ढा के लिए, यह बदलाव डर से शुरू हुआ था। हाल ही में अभिनेत्री ने मां बनने के अपने अनुभव और उसके बाद के बदलावों के बारे में खुलकर बात की है।

दुनिया के माहौल को लेकर ऋचा चिंतित थीं

यूट्यूब चैनल लिली सिंह से बातचीत में ऋचा ने माना कि बच्चे के जन्म पर वह डरी हुई थीं। उनके शुरुआती विचार चिंता से भरे थे। इन दिनों पूरी दुनिय में जो माहौल है उसे लेकर वह अपने बच्चे के बारे में चिंतित थीं। मां बनने के बाद उनके अंदर आए बदलावों को लेकर भी वह चिंतित थीं।

मां बनने पर पहली प्रतिक्रया डर थी

ऋचा कहा मैं थोड़ी डरी हुई थी। दुनिया में बहुत कुछ गड़बड़ चल रहा है, जलवायु परिवर्तन है, नरसंहार हो रहा है। ऐसे में क्या बच्चा पैदा करना एक अच्छा विचार है? जब आप पूरी तरह से आजाद होते हैं, तो यह सब तुरंत बदल जाता है, क्योंकि आपको एक इंसान के लिए जिम्मेदार होना पड़ता है। कम से कम पहले छह महीनों तक बच्चे के लिए खाना देने की जिम्मेदारी निभाना बड़ा काम है। मां बनने को लेकर मेरी पहली प्रतिक्रिया डर थी। मैं सोच रही थी, हे भगवान, क्या मेरी जिंदगी खत्म हो गई है?

ऋचा को आया बंदूक खरीदने का ख्याल

ऋचा को जब पता चला कि उनकी बेटी होने वाली है, तो उनका डर और भी ज्यादा बढ़ गया। उन्होंने मजाक में कहा मैंने सोचा, हम भारत में रहते हैं, मुझे बंदूक खरीदनी ही होगी। लेकिन बाद में मैंने सोचा नहीं, देखते हैं। हम उसे अपनी तरह मजबूत बनाएंगे।

ऋचा और अली ने बेटी का स्वागत किया

पिछले साल 16 जुलाई को, ऋचा चड्ढा और अली फजल ने अपनी बेटी का स्वागत किया। इस जोड़े ने बच्चे के बारे में जानकारी देते हुए कहा 16.07.24 को एक बच्ची के आगमन का एलान करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है! हमारे परिवार बेहद खुश हैं, और हम अपने शुभचिंतकों को उनके प्यार और आशीर्वाद के लिए धन्यवाद देते हैं! ऋचा और फजल ने अपनी बेटी का नाम जुनेरा इदा फजल रखा है।

अनंत जोशी निभाएँगे अजेय- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ए योगी में लीड रोल

भारतीय सिनेमा के बदलते परिदृश्य में, जहाँ सशक्त कहानियाँ और प्रभावशाली अभिनय दर्शकों का ध्यान आकर्षित करते हैं, वहीं अभिनेता अनंत जोशी एक दमदार बायोपिक के साथ केंद्र में आ रहे हैं। अनंत जोशी, जिन्होंने हाल ही में 12वीं फेल जैसी हिट फिल्म में प्रीतम पांडे की भूमिका निभाकर खूब सराहना बटोरी, अब अजेय- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ए योगी में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भूमिका निभाते नजर आएँगे। 12वीं फेल में उनके प्रदर्शन ने उन्हें इस बायोपिक के लिए तैयार किया। एक ऐसे किरदार को निभाना, जो शैक्षणिक और व्यक्तिगत संघर्षों से जूझ रहा हो, ने उन्हें और भी गहराई और संवेदनशीलता से भर दिया। इस फिल्म में उनका अभिनय उनकी रेंज को दर्शाता है और उन्हें योगी आदित्यनाथ जैसे जटिल किरदार को निभाने के लिए सक्षम बनाता है। अपनी इस यात्रा पर बात करते हुए अनंत जोशी ने कहा, विधु विनोद चोपड़ा के साथ काम करना किसी फिल्म स्कूल में ट्रेनिंग लेने जैसा है। हर दिन उनके साथ सेट पर रहना एक सबक था। 12वीं फेल जैसी फिल्म करने के बाद ही मुझे लीड रोल की ज़िम्मेदारी लेने की समझ आई और हिम्मत मिली। मैं खुश हूँ कि अजेय मुझे 12वीं फेल के बाद मिली। अनंत जोशी ने धीरे-धीरे अपने अभिनय की एक मजबूत नींव बनाई है। इससे पहले वे कठल और 12वीं फेल में नजर आ चुके हैं। इसके अलावा, उन्होंने वेब सीरीज़ मामला लीगल है और डॉक्युमेंट्री ज़ीरो से रीस्टार्ट में भी भाग लिया, जिसमें उनके फिल्म निर्माण के अनुभवों को दर्शाया गया है। अजय फिल्म उत्तराखंड से अजय मोहन सिंह बिष्ट के योगी आदित्यनाथ बनने और फिर एक प्रमुख राजनीतिक नेता बनने की यात्रा को दिखाएगी।

हरीश शंकर की 'उस्ताद भगत सिंह' में पवन कल्याण के साथ लीड रोल में नजर आएंगी राशि खन्ना

पैन इंडिया स्टार राशि खन्ना, अब आधिकारिक रूप से पवन कल्याण के साथ बहुप्रतीक्षित तेलुगु एंटरटेनर उस्ताद भगत सिंह में नजर आने वाली हैं, जिसका निर्देशन हरीश शंकर कर रहे हैं। यह फिल्म राशी के करियर की सबसे बड़ी साउथ प्रोजेक्ट्स में से एक मानी जा रही है। जब से इस फिल्म की घोषणा हुई है, तब से इसे लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह है।

हाल ही में मेकर्स ने राशि का पहला लुक जारी किया और सोशल मीडिया पर यह रोमांचक अपडेट साझा किया कि वह फिल्म में एक प्रमुख महिला किरदार निभा रही हैं। राशि फिल्म में श्लोका नामक एक दमदार और अहम किरदार निभा रही हैं, जो कहानी में एक नई ऊर्जा लेकर आती है और पवन कल्याण के साथ पहली बार स्क्रीन साझा करती नजर आएंगी। यह सहयोग तेलुगु सिनेमा के लिए एक बड़ा सिनेमाई पल साबित होने वाला है। पोस्टर जारी होते ही राशि खन्ना के प्रशंसक खुशी से फूले नहीं समा रहे हैं, वे बेसब्री से उन्हें पवन कल्याण के साथ स्क्रीन शेयर करते देखने का इंतज़ार कर रहे हैं। यह रहा मेकर्स द्वारा सोशल मीडिया पर साझा किया गया पोस्ट, जिसका कैप्शन है- टीम उस्ताद भगतसिंह, एंजलिक राशि खन्ना का श्लोका के रूप में स्वागत करती है ? वह सेट पर अपनी गरिमा और आकर्षण लेकर आई हैं ?? शूटिंग शुरू। राशि फिलहाल हैदराबाद में पवन कल्याण के साथ शूटिंग कर रही हैं, जो इस महीने के अंत तक चलेगी।

निर्माताओं का लक्ष्य अगले शेड्यूल पर जाने से पहले अगस्त के पहले हफ्ते तक उनके हिस्से की शूटिंग पूरी कर लेना है। मैत्री मूवी मेकर्स के बैनर तले बनी इस फिल्म में श्रीलीला, प्रथिबन, केएस रविकुमार, रामकी, नवाब शाह, अविनाश (केजीएफ फेम), गौतमी, नागा महेश और टेम्पर वामसी भी अहम भूमिकाओं में हैं। उस्ताद भगत सिंह के अलावा, राशि खन्ना के पास आगे भी कई फिल्में हैं।

फिल्ममेकर करण जौहर ने ऑडियो पॉडकास्ट को लेकर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि ऑडियो पॉडकास्ट में भावनाएं बहुत गहराई से महसूस होती हैं, क्योंकि इसमें कैमरा नहीं होता, इसलिए लोग ज्यादा आराम से और खुलकर अपनी बातें शेयर कर पाते हैं। इस वजह से पॉडकास्ट एक बहुत ही निजी और भावुक माहौल बनाता है।

ऑडियो पॉडकास्ट पर बोले करण जौहर, इसमें कैमरा नहीं, इसलिए होती है सिर्फ दिल और दिमाग की बात

करण जौहर ने हाल ही में अपना ऑडियो पॉडकास्ट लिव योर बेस्ट लाइफ विद करण जौहर शुरू किया। इस बीच आईएएनएस से बात करते हुए उन्होंने कहा कि ये तरीका बहुत खास और करीब महसूस कराने वाला है। इसमें लोग बहुत आराम से बात करते हैं, जिससे सुनने वाले को ऐसा लगता है कि वो सीधे उनसे जुड़ हुआ है। करण जौहर ने कहा, इसमें बस एक माइक्रोफोन, आप और होस्ट होते हैं। यह तरीका शो में आए मेहमानों को आरामदायक महसूस कराता है, उन्हें किसी का डर नहीं होता, और वह खुद को सुरक्षित महसूस करते हैं। जब उनसे पूछा कि क्या मेहमान ऑडियो में वीडियो की तुलना में ज्यादा खुलकर अपनी बातें कहते हैं, तो करण ने बताया कि कैमरा ना होने से उनपर कोई दबाव नहीं होता। इसलिए मेहमान ज्यादा असली और सच्चे तरीके से अपनी बात कह पाते हैं। करण जौहर ने कहा, पॉडकास्ट में एक खास तरह की नजदीकी का एहसास होता है। जब भी मैं किसी मेहमान का इंटरव्यू करता हूं, तो मुझे लगता है कि उन्हें ऐसा सुरक्षित माहौल देना बहुत जरूरी है, जहां वे आराम से अपनी बात कह सकें, बिना किसी डर या जजमेंट के और उन्हें पूरा सपोर्ट मिले। पॉडकास्ट में कैमरे का दबाव नहीं होता, बस एक माइक्रोफोन, आप और होस्ट होते हैं। करण जौहर ने कहा, जब कैमरा नहीं होता तो लोग ज्यादा आराम से अपने दिल और दिमाग की बात करते हैं। इससे एक गहरा और खास रिश्ता बनता है, जो कैमरे पर नहीं बन पाता। मुझे खुशी है कि इस शो में मैंने लोगों को उनकी असली और सच्ची पहचान में देखा।

शंकरः द रिवॉल्यूशनरी मैन, मेरे जीवन का टर्निंग पॉइंटः शिल्पा शिरोडकर

अभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर जल्द ही एक नई वेब सीरीज शंकर- द रिवॉल्यूशनरी मैन में दिखेंगी। उन्होंने इस सीरीज को अपने जीवन का टर्निंग पॉइंट बताया है। समाचार एजेंसी को दिए एक इंटरव्यू में शिल्पा शिरोडकर ने बताया कि इस प्रोजेक्ट ने उन्हें न केवल व्यक्तिगत बल्कि आध्यात्मिक रूप से भी बदल दिया। शिल्पा ने कहा, मैं हमेशा से आध्यात्मिक रही हूं। मुझे नई चीजें सीखना, सुनना और ज्ञान अर्जित करना पसंद है। जब यह सीरीज मेरे पास आई, तो मुझे लगा कि यह मेरे लिए जीवन बदलने वाला पल है। मैंने सोचा कि इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने से मुझे पेशेवर और व्यक्तिगत दोनों रूप से बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। सीरीज में शिल्पा, महान संत और दार्शनिक आदि शंकराचार्य की मां आरंभा की भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा, आदि शंकराचार्य की मां का किरदार निभाना मेरे लिए सम्मान की बात है। आदि शंकराचार्य की मां ने उनके जीवन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। यह किरदार मेरे लिए बेहद मायने रखता है। इस किरदार को जीना मेरे लिए विशेष अनुभव भरा रहा। उन्होंने यह भी बताया कि इस प्रोजेक्ट में काम करना उनके लिए रोजाना सीखने के अवसर जैसा रहा, इससे उन्हें काफी कुछ नया सीखने को मिला। उन्होंने बताया, राजर्षि भूपेंद्र मोदी जी जैसे प्रेरणादायक व्यक्तित्व के साथ काम करना और स्क्रिप्ट पढ़ने से लेकर सेट पर बातचीत तक, हर दिन कुछ नया सीखने को मिलता है। यह मेरे लिए विकास का शानदार मौका है। शंकर- द रिवॉल्यूशनरी मैन आदि शंकराचार्य के जीवन और शिक्षाओं से प्रेरित अपकमिंग सीरीज है। मोदी स्टूडियोज और राजर्षि भूपेंद्र मोदी ने इस सीरीज का निर्माण किया है। इस सीरीज में शिल्पा शिरोडकर के साथ अभिषेक निगम मुख्य भूमिका में हैं, जबकि राजेश श्रृंगारपुरे, फरनाज शेट्टी, रति पांडे, और मनोज जोशी जैसे कलाकार भी शामिल हैं। शिल्पा शिरोडकर 90 के दशक में गोपी किशन, आंखें, और खुदा गवाह जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। शिल्पा बिग बॉस के 18वें सीजन का भी हिस्सा रहीं।

कनाडियन ओपनः पहले राउंड में जीत के साथ बाउचर्ड का संन्यास टला

एजेंसी

लॉस एंजेल्स : कनाडियन ओपन के पहले राउंड में सोमवार को घरेलू दर्शकों के सामने खेलते हुए कनाडा की युजिनी बाउचर्ड ने कोलंबिया की एमिलियाना अरांगो को 6-4, 2-6, 6-2 से हराकर अपने संन्यास की योजना को फिलहाल टाल दिया। पूर्व वर्ल्ड नंबर-5 बाउचर्ड ने इस महीने की शुरूआत में घोषणा की थी कि यह टूर्नामेंट उनके करियर का आखिरी होगा। लेकिन इस जीत के बाद उन्होंने अपने फैसले में एक शर्त जोड़ दी। मैच के बाद कोर्ट पर दिए इंटरव्यू में बाउचर्ड ने कहा, ह्लअगर मैं यह टूर्नामेंट जीतती हूं, तो रिटायर नहीं होंगी। यह उनका इस साल का दूसरा सिंगल्स मुकाबला था। उन्होंने पहला सेट दमदार फोरहैंड विनर से जीता, लेकिन दूसरे सेट में लगातार अनफोर्स्ड एरर के चलते अरांगो ने वापसी की। निर्णायक सेट में बाउचर्ड ने 3-1 की बढ़त बनाई और फिर एक शानदार वॉली लगाकर 4-1 की लीड हासिल की। 31 वर्षीय वाइल्डकार्ड बाउचर्ड अब दूसरे दौर में 17वीं सीड स्विट्जरलैंड की बेलिंडा बेनसिच से भिड़ेंगी। ब्रिटेन की एमा राडुकानू ने रोमानिया की एलेना गैब्रिएला रुस को 6-2, 6-4 से हराकर दूसरे राउंड में जगह बनाई। मैच के बाद राडुकानू ने कहा, ह्लकिसी करीबी खिलाड़ी के खिलाफ खेलना हमेशा मुश्किल होता है। खुश हूं कि मैं उस भावनात्मक पहलू को अलग रख सकी। जापान की चार बार की ग्रैंड स्लैम विजेता नाओमी ओसाका ने कनाडा की क्वालिफायर आरियाना आसेर्नेल्ट को 6-4, 6-2 से हराया। अब वह दूसरे दौर में रूस की 13वीं सीड ल्युडमिला समसोनोवा से भिड़ेंगी। टोरंटो में खेले जा रहे पुरुष वर्ग में ऑस्ट्रेलिया के एडम वॉल्टन ने फ्रांस के बेंजामिन बॉन्जी को 4-6, 6-0, 6-3 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई, जहां अब उनका सामना टॉप सीड जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा। स्पेन के पाब्लो करेनो बुस्टा, जो 2022 में इस टूर्नामेंट के चैंपियन रहे थे, ने भी शानदार वापसी करते हुए लियाम ड्रैक्सल को 2-6, 6-4, 6-4 से हराया। इस बीच टूर्नामेंट से कई दिग्गज खिलाड़ियों ने नाम वापस ले लिया है, जिनमें विश्व नंबर-1 आर्यना सबालेंका, जानिक सिनर, कार्लोस अल्कारेज, नोवाक जोकोविच और जैक ड्रेपर शामिल हैं।

महिला क्रिकेटः प्रेंडरगास्ट का जलवा बरकरार, आयरलैंड ने ज़िम्बाब्वे के खिलाफ वनडे सीरीज में भी किया क्लीन स्वीप

एजेंसी

बेलफास्ट : ऑर्ला प्रेंडरगास्ट (नाबाद 67 रन) की एक और शानदार पारी की बदौलत आयरलैंड ने सोमवार को खेले गए दूसरे वनडे मुकाबले में ज़िम्बाब्वे को चार विकेट से हराकर दो मैचों की वनडे सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली। इससे पहले आयरिश टीम ने टी20 सीरीज में भी ज़िम्बाब्वे का 3-0 से सूपड़ा साफ किया था। ज़िम्बाब्वे ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, लेकिन एक बार फिर उनकी शीर्ष क्रम की बल्लेबाजी लड़खड़ा गई। 17वें ओवर तक स्कोर 54/4 हो गया। ऐसे में कप्तान चिपो मुगेरी (56) और मोडेस्टर मुपाचिक्वा (45) ने पारी को संभालते हुए पांचवें विकेट के लिए 94 रनों की अहम साझेदारी की। हालांकि एक बार इस जोड़ी के टूटने के बाद ज़िम्बाब्वे की पारी फिर से ढह गई। टीम 148/4 से 178 रन पर ढेर हो गई। आयरलैंड के लिए अलाना डैलजेल ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 10 ओवर में 36 रन देकर 4 विकेट झटके, जबकि लारा मैकब्राइड ने 3 विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करते हुए आयरलैंड की शुरूआत भी कुछ खास नहीं रही। पावरप्ले के अंदर ही सारा फोर्ब्स और एमी हंटर सस्ते में आउट हो गईं।

हिमाचल प्रदेश के मंडी में फिर बादल फटने से तबाही, दो की मौत, एक लापता, कई घर और गाड़ियां क्षतिग्रस्त

एजेंसी

शिमला : हिमाचल प्रदेश में मॉनसून ने एक बार फिर तबाही मचाई है। सोमवार बीती रात से जारी मूसलाधार बारिश के बीच मंडी जिले में भारी बाढ़ और मलबा आने से हालात सबसे ज्यादा खराब हुए हैं। मंडी शहर के जेल रोड और हॉस्पिटल रोड इलाके में बादल फटने के कारण अचानक नाले में उफान आने से बाढ़ का पानी और मलबा घरों में घुस गया। इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई व एक लापता है जबकि एक व्यक्ति घायल हुआ है। कई लोगों को समय रहते पुलिस व प्रशासन ने सुरक्षित बाहर निकाला। मंडी के उपायुक्त अपूर्व देवगन ने दो लोगों की मौत की और एक के लापता होने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा है कि एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पुलिस के जवान राहत व बचाव कार्यों में जुटे हैं। मंडी के जेल रोड़ वार्ड की पूर्व पार्षद कृष्णा के बेटे और पोते की मलबे में दबने से मौत हो गई । उनके शव बरामद हो गए हैं, जबकि बहू लापता है, वहीं पर एक व्यक्ति की टांग टूट गई है। इसके अलावा कई घरों में मलबा घुस जाने से करीब पंद्रह लोगों को मलबे से निकाला गया। एक मकान में भारी मात्रा में मलबा घुस जाने से कमरे में दो लोग फंस गये थे, जिन्हें लोगों ने कमरे की खिड़की तोड़कर सुरक्षित बाहर निकाला। जानकारी अनुसार देर रात भारी बारिश के बाद अचानक बाढ़ आ गई, जिसने कई घरों को अपनी चपेट में ले लिया। घरों की निचली मंजिलों में पानी और मलबा भर गया, जिससे लोग फंस गए थे। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, पूर्व मंत्री एवं

विधायक अनिल शर्मा, उपायुक्त मंडी अपूर्व देवगन, नगर निगम के महापौर विरेंद्र भटट, स्थानीय पार्षद राजा, सुमन ठाकुर ,कमिशनर रोहित राठौर, एडीएम डा. मदन कुमार ने मौके पर पहुंच का राहत व बचाव कार्यों का जायजा लिया। इस बारिश से अभी और कितना नुक्सान हुआ है इसका आंकलन किया जा रहा है। इधर, चंडीगढ़-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग (ठल-3) और मंडी-पठानकोट हाईवे (ठल-154) पर भी कई स्थानों पर भूस्खलन हुआ है। दोनों मार्ग बंद हैं और कई वाहन फंसे हुए हैं। लोक निर्माण विभाग, प्रशासन और आपदा प्रबंधन विभाग की टीमें राहत कार्य में जुटी हैं, जबकि एनडीआरएफ को भी अलर्ट पर रखा गया है। मौसम विभाग ने मंडी सहित पूरे प्रदेश में अगले 24 घंटों तक भारी बारिश की चेतावनी जारी की है, जिससे राहत कार्यों में और कठिनाइयां बढ़ गई हैं। गौरतलब है कि मंडी जिला इससे पहले भी 30 जून की रात बादल फटने की एक दर्जन घटनाओं से बुरी तरह प्रभावित हुआ था। सबसे ज्यादा तबाही सराज क्षेत्र में हुई थी। प्रदेश में 20 जून को मानसून आने के बाद से अब तक भारी बारिश, भूस्खलन और बाढ़ से 164 लोगों की मौत हो चुकी है, 269 लोग घायल हुए हैं और 35 लोग अभी भी लापता हैं। अकेले मंडी में अब तक 32 लोगों की जान गई और 27 लोग लापता हैं। कांगड़ा में 24, कुल्लू और चंबा में 17-17, शिमला में 13, सोलन और ऊना में 11-11, किन्नौर में 11, हमीरपुर में 10, बिलासपुर में 8, लाहौल-स्पीति में 6 और सिरमौर में 4 लोगों की मौत हुई है। भारी बारिश और भूस्खलन से अब तक 1320 घरों को नुकसान पहुंचा, जिनमें 418 पूरी तरह ढह गए हैं। मंडी में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ, जहां 986 मकान प्रभावित हुए और इनमें से 376 पूरी तरह गिर गए। इसके अलावा करीब 21,500 पोल्ट्री पक्षी और 1402 मवेशियों की मौत भी हो चुकी है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, अब तक करीब 1523 करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान हुआ है। इसमें लोक निर्माण विभाग को 780 करोड़ और जलशक्ति विभाग को 499 करोड़ रुपये की क्षति हुई है। प्रदेश में अब तक 42 बार फ्लैश फ्लड, 25 बार बादल फटने और 32 बार भूस्खलन की घटनाएं दर्ज की गई हैं।

नागपंचमी पर्व को शिव मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़

एजेंसी

प्रयागराज : देवाधिदेव महादेव के सबसे प्रिय श्रावण मास के नाग पंचमी पर्व पर नागवासुकी मंदिर सहित सभी शिव मंदिरों में सुबह से ही भारी भीड़ लगी हुई है। भक्त नागों के राजा वासुकी की पूजा अर्चना करने के लिए मंदिरों के बाहर अपनी बारी का इन्तजार कर रहे हैं। नागपंचमी के मौके पर शहर में स्थित बाबा भोलेनाथ के प्रिय वासुकी की पूजा अर्चना करने के लिए नागवासुकी मंदिर, मनकामेश्वर मंदिर, ब्रम्हेश्वर महादेव मंदिर, शिवकुटी में स्थित कोटेश्वर महादेव मंदिर, पाण्डेश्वर महादेव मंदिर, तक्षक मंदिर, सहित अन्य शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी हुई है। ऐसी मान्यता है कि काल सर्प से मुक्ति के लिए मंदिरों में बहुत से लोग सुबह से विशेष पूजा करने के लिए पहुंचे हुए हैं।निरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर बलबीर गिरी ने बताया कि पुराणों में ऐसा बताया गया है कि समुद्र मंथन के बाद भगवान विष्णु के आदेश पर नागों के राजा वासुकी प्रयागराज के दारागंज स्थित ऊंचे स्थान पर आराम किया था। जिससे इस स्थान पर मौजूद मंदिर को नागवासुकी मंदिर कहा जाता है। इस मंदिर में श्रावण मास में पूजा करने से सर्पकाल दोष समाप्त हो जाता है। नागपंचमी के मौके पर इस मंदिर में भारी भीड़ लगी हुई है।

बंगाल के आठ अस्पतालों को मिलेगा डे-केयर कैंसर सेंटर का लाभ

एजेंसी

कोलकाता : कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के इलाज के लिए अब मरीजों को दिल्ली, मुंबई, चेन्नई या कोलकाता जैसे बड़े शहरों की दौड़ नहीं लगानी होगी। अब पश्चिम बंगाल के आठ जिलों में भी डे केयर कैंसर सेंटर का लाभ मिलेगा। पश्चिम बंगाल सरकार के स्वास्थ्य विभाग से जुड़े एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हालांकि परियोजना केंद्र सरकार की है। केंद्र सरकार ने देशभर के 200 जिला अस्पतालों को डे-केयर कैंसर सेंटर (डीसीसीसी) के रूप में मान्यता देकर कैंसर उपचार को स्थानीय स्तर तक पहुंचाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। इस योजना में पश्चिम बंगाल के भी आठ जिले शामिल किए गए हैं, जिनमें मुर्शिदाबाद, दक्षिण 24 परगना, पश्चिम मेदिनीपुर, मालदा, पूर्व बर्धमान, बांकुड़ा, पुरुलिया और नंदीग्राम स्वास्थ्य जिला शामिल हैं। उक्त अधिकारी ने बताया कि केंद्र की ओर से घोषित इस योजना के तहत इन अस्पतालों में मरीज कुछ घंटों के लिए भर्ती होकर कीमोथेरेपी व अन्य प्राथमिक उपचार लेकर उसी दिन घर लौट सकेंगे। केंद्र सरकार का उद्देश्य है कि वर्ष 2029 तक देश के सभी 743 जिलों में डे-केयर कैंसर सेंटर्स की स्थापना कर दी जाए। इसी क्रम में वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 297 नए सेंटर खोले जाने की योजना है, जिनमें से 200 से अधिक केंद्रों को वित्तीय मंजूरी दी जा चुकी है। सरकार का मानना है कि इस पहल से ग्रामीण व दूरदराज के इलाकों में रहने वाले मरीजों को अत्यधिक खर्च और समय की बचत होगी, जो अब तक इलाज के लिए कोलकाता या अन्य महानगरों पर निर्भर थे। आईसीएमआर की कैंसर रजिस्ट्री रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम बंगाल में हर साल औसतन 1.2 लाख से अधिक नए कैंसर मरीज सामने आते हैं। इनमें से आधे से अधिक को प्राथमिक उपचार या फॉलोअप कीमोथेरेपी के लिए कोलकाता आना पड़ता है। समय पर इलाज न मिल पाने के कारण कई मरीजों का कैंसर देर से पकड़ में आता है, जिससे उनकी हालत और गंभीर हो जाती है। राज्य सरकार के एक स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि परियोजना के सुचारू संचालन के लिए केंद्र के साथ समन्वय कर आवश्यक ढांचा और मानव संसाधन तैयार किए जा रहे हैं। राष्ट्रीय कार्यक्रम समन्वयन समिति (एनपीसीसी) आईसीएमआर की रिपोर्ट और राज्यों से मिली प्रस्तावित सूची के आधार पर नए केंद्रों की पहचान कर रही है। स्वास्थ्य विभाग से जुड़े विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इन डे-केयर सेंटर्स को तय समय में शुरू किया जा सका, तो कैंसर जैसी लंबी और खर्चीली बीमारी के खिलाफ लड़ाई में यह बड़ी राहत साबित होगी। फिलहाल स्वास्थ्य विभाग इस बात की प्रतीक्षा कर रहा है कि बाकी जिलों में भी यह सुविधा कितनी जल्दी शुरू की जा सकेगी। सरकार का लक्ष्य है कि इस योजना को वर्ष 2029 तक पूरी तरह लागू कर दिया जाए।

जनसंख्या गिरावट को देखते हुए चीन ने की चाइल्ड केयर सब्सिडी की घोषणा, प्रति बच्चा हर साल 500 डॉलर

एजेंसी

बीजिंग : पिछले तीन साल से जनसंख्या में गिरावट का सामना कर रहे चीन ने सोमवार को दंपतियों को प्रोत्साहित करने के लिए राष्ट्रव्यापी शिशु देखभाल नकद सब्सिडी नीति की घोषणा की है। सरकार का कहना है कि यह बच्चों के पालन-पोषण करने वाले परिवारों पर वित्तीय दबाव कम कर देश की जन्मदर को बढ़ावा देने के उद्देश्य लाई गई है। ग्लोबल टाइम्स के मुताबिक चीन की सरकार तीन वर्ष से कम आयु के प्रत्येक बच्चे के माता-पिता को प्रति वर्ष 3,600 युआन (502 डॉलर) का नकद भुगतान करेगी। यह सब्सिडी बच्चे के तीन साल का होने तक दी जाएगी। 1 जनवरी, 2025 से पहले जन्मे और अभी भी तीन साल से कम उम्र के बच्चों के लिए यह सब्सिडी पात्र महीनों की संख्या के आधार पर आनुपातिक रूप से दी जाएगी। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (एनएचसी) ने बयान जारी कर कहा है कि राष्ट्रव्यापी बाल देखभाल सब्सिडी प्रणाली लागू करना एक

नई नीति है जो लाखों परिवारों को प्रभावित करती है। इस नीति से हर साल शिशुओं और छोटे बच्चों वाले 2 करोड़ से ज्यादा परिवारों को लाभ मिलने की उम्मीद है। एनएचसी के अनुसार, सभी स्थानीय निकाय बाल देखभाल सब्सिडी प्रणाली के लिए विस्तृत कार्यान्वयन योजनाएँ बनाने में लगे हुए हैं और इसके क्रियान्वयन की तैयारी कर रहे हैं। अगले माह अगस्त के अंत में देशभर में बाल देखभाल सब्सिडी के लिए आवेदन शुरू होने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि पिछले तीन साल से देश की जनसंख्या में लगातार गिरावट आ रही है और संयुक्त राष्ट्र जनसांख्यिकी मॉडल का अनुमान है कि इस गिरावट के जारी रहने पर यह आज की 1.4 बिलियन से घटकर 2100 तक 800 मिलियन हो जाएगी। पिछले वर्ष चीन में 9.54 मिलियन बच्चे पैदा हुए, जो 2016 की तुलना में आधी संख्या है। खास बात यह है कि साल 2016 में चीन ने तीन दशकों से लागू अपनी एक-बच्चा नीति खत्म की थी। हाल के वर्षों में पाया गया है कि चीन में विवाह दरों में भी भारी गिरावट आई है और ज्यादातर युवा दंपति बच्चों के पालन-पोषण पर होने वाले भारी-भरकम खर्च और करिअर संबंधी चिंताओं के चलते बच्चे पैदा करने से कतराते हैं।

अमेरिका में बंदूकधारी ने पुलिस अधिकारी समेत चार की जान ली, खुद को भी उड़ा लिया

एजेंसी

न्यूयॉर्क : अमेरिका में न्यूयॉर्क शहर के मिडटाउन मैनहट्टन के पार्क एवेन्यू में एक गगनचुंबी इमारत में सोमवार शाम घुसे बंदूकधारी ने एक पुलिस अधिकारी समेत चार लोगों के जिस्मों को छलनी कर दिया। आखिर में पुलिस की गोली से घायल संदिग्ध बंदूकधारी ने खुद को गोलीमार कर आत्महत्या कर ली।न्यूयॉर्क पोस्ट की खबर के अनुसार, पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सोमवार शाम एआर-15 राइफल लेकर घुसे व्यक्ति ने गगनचुंबी इमारत में घुसकर गोलियों की बौछार कर दी। इस गोलीबारी में न्यूयॉर्क शहर के एक पुलिस अधिकारी समेत चार लोगों की मौत हो गई। इस दौरान पुलिस की गोली लगने से घायल संदिग्ध बंदूकधारी ने खुद को गोली मार ली। इस

गोलीबारी में मारे गए पुलिस अधिकारी की पहचान 36 वर्षीय दीदारुल इस्लाम के रूप में हुई है। वह ब्रोंक्स पुलिस थाने में तैनात थे। पुलिस अधिकारियों ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि इस्लाम साढ़े तीन साल से पुलिस विभाग में थे। फिलहाल वह 345 पार्क एवेन्यू स्थित इस गगनचुंबी इमारत में तैनात थे। इस इमारत में ब्लैकस्टोन निवेश फर्म का मुख्यालय है। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर एरिक एडम्स ने कहा कि हमलावर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। न्यूयॉर्क की पुलिस कमिश्नर जेसिका टिश ने बताया कि हमलावर की पहचान 27 वर्षीय शेन तमुरा के रूप में हुई है। वह लास वेगास का रहने वाला है। उसने यह खूनखराबा 33वीं मंजिल पर किया। इसके बाद खुद भी गोलीमार कर जान दे दी। टिश ने कहा कि उसकी गाड़ी सोमवार शाम 4:24 बजे कोलंबिया (न्यू जर्सी) में देखी गई थी।

पिकअप में सवार 9 कांवड़िए घायल, ट्रक ने पीछे से मारी टक्कर

मीरजापुर : उप्र के मीरजापुर स्थित कोतवाली देहात क्षेत्र के भिरकुरी अटारी हाईवे पर मंगलवार की भोर लगभग चार बजे एक तेज रफ्तार ट्रक ने कांवड़ियों से भरी पिकअप को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में पिकअप सवार करीब 16 कांवड़ियों में से 9 लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही कोतवाली देहात पुलिस और उच्चाधिकारी मौके पर पहुंचे। सभी घायलों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। कोतवाल सदानंद सिंह ने बताया कि ट्रक को कब्जे में लेकर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। घटना के बाद मौके पर कानून व्यवस्था सामान्य बनी रही। पुलिस मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

सराफा बाजार में सपाट स्तर पर कारोबार, सोना-चांदी के भाव में बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली : लगातार पांच दिनों की गिरावट के बाद आज घरेलू सराफा बाजार सपाट स्तर पर कारोबार कर रहा है। आज के कारोबार में सोना और चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में बदलाव नहीं होने के कारण आज भी देश के ज्यादातर सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 99,920 रुपये से लेकर 1,00,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज सोमवार के भाव 91,590 रुपये से लेकर 91,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच ही बिक रहा है। सोने की

तरह ही चांदी के भाव में भी बदलाव नहीं होने के कारण कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सराफा बाजार में आज भी 1,15,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,00,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 91,740 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 99,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 99,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,640 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 99,920 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 91,590 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 99,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,00,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 91,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 91,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,00,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सराफा बाजार में भी आज सोना की कीमत में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 99,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सराफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 91,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज IN ब्रीफ

ईश्वर चंद्र विद्यासागर की पुण्यतिथि पर केंद्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने अर्पित की श्रद्धांजलि

भुवनेश्वर : केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, समाज सुधारक ईश्वर चंद्र विद्यासागर की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। केंद्रीय मंत्री प्रधान ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, "स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, समाज सुधारक और महान विद्वान ईश्वर चंद्र विद्यासागर की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। विद्यासागर जी ने न केवल भारतीय समाज में व्याप्त अंधविश्वास और कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाई, बल्कि उन्होंने नारी शिक्षा और समाज में समानता की आवश्यकता को भी उजागर किया। उनका विश्वास था कि समाज तभी प्रगति कर सकता है, जब उसमें हर व्यक्ति विशेषकर महिलाओं और पिछड़े वर्गों को समान अवसर मिले। शिक्षा के साथ ही उन्होंने भारतीय संस्कृति और सभ्यता को भी सशक्त बनाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। विद्यासागर का जीवन हम सभी को सदैव समाज के उत्थान हेतु कार्य करने के लिए प्रेरित करता रहेगा।" उल्लेखनीय है कि ईश्वर चंद विद्यासागर का जन्म 26 सितंबर, 1820 को बिरसिंघा गांव (वर्तमान में मेदिनीपुर जिला, पश्चिम बंगाल) में हुआ था। वह महान शिक्षाविद, समाज सुधारक और एक महान विद्वान थे। उनकी विद्वता के कारण ही उन्हें विद्यासागर की उपाधि दी गई थी। उन्होंने स?त्रियों की शिक्षा और विधवा विवाह कानून के लिए आवाज उठाई। वह अपने कार्यों के लिए समाज सुधारक के तौर पर पहचाने जाने लगे। उन्हीं के प्रयासों से साल 1856 में विधवा-पुनर्विवाह कानून पारित हुआ था। 29 जुलाई 1891 को महान हस्ती ने दुनिया को अलविदा कह दिया।

दिल्ली पुलिस के खुलासे के बाद ममता बनर्जी पर बरसे शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता : मालदह के एक प्रवासी श्रमिक के साथ कथित बदसलूकी के मामले में दिल्ली पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस का कहना है कि जो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, वह एक राजनीतिक साजिश के तहत बनाया गया था। इसके तुरंत बाद ही सोमवार रात पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर सीधा हमला बोला। शुभेंदु ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर लिखा, ₹जनता जान गई है कि ममता झूठी हैं। मुख्यमंत्री ने 27 जुलाई, 2025 को एक पोस्ट में दावा किया था कि दिल्ली में आधार सत्यापन के नाम पर दिल्ली पुलिस ने एक बंगाली भाषी महिला और उसके बेटे की पिटाई की। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, महिला सजनूर परवीन ने शुरूआत में दावा किया था कि 25 जुलाई को चार लोग, जो खुद को पुलिसकर्मी बता रहे थे, उसके घर आए और उसके परिवार पर बांग्लादेशी नागरिक होने का आरोप लगाया। अगले दिन, यानी 26 जुलाई को, उसे और उसके दो बच्चों को जबरन मंगलम अस्पताल के पास एक पार्क में ले गए, उन्हें जबरन हिरासत में लिया और 25 हजार रुपये की फिरौती देने के बाद उन्हें छोड़ने की धमकी दी लेकिन सीसीटीवी फुटेज में विसंगतियां सामने आ रही हैं! इसमें साफ दिख रहा है कि वह अपने बच्चों के साथ अकेली घर से निकल रही है, जो बल प्रयोग के दावे से मेल नहीं खाता। सजनूर परवीन पहले ही स्वीकार कर चुकी हैं कि उन्होंने कुछ लोगों के बहकावे में आकर यह झूठी कहानी गढ़ी थी। सच तो यह है कि उनके मामा, जो एक राजनीतिक कार्यकर्ता हैं, ने एक पत्रकार के कहने पर यह झूठी कहानी गढ़ी थी और सोशल मीडिया पर शेयर किया गया वीडियो पूरी तरह से झूठा है। ऐसी कई झूठी कहानियां फैलाई जाएंगी, इसलिए इस बार कानों से नहीं, आंखों से यकीन कीजिए।

दो बाइकों में टक्कर, तीन व्यक्ति गंभीर रूप से घायल

कार्बी आंगलोंग (असम) : पश्चिम कार्बी आंगलोंग जिला के खेरोनी में बीती रात एक सड़क दुर्घटना में तीन व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गये। सभी घायलों का डिफू में इलाज चल रहा है। खेरनी पुलिस ने मंगलवार को बताया है कि खेरोनी-जेंखां को जोड़ने वाले मार्ग पर आमपथार में दो बाइकों के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गयी। संकटग्रस्त स्थिति में घटना स्थल से लांग-आमेक गांव के जयनाथ चौहान, थेसोबिल तेरांग गांव के गसवेल टेरन और लांग-पारपान गांव के राजू चौहान को स्थानीय लोगों की तत्परता से खेरोनी अस्पताल में प्राथमिक उपचार प्रदान किया गया। हालांकि, उन्नत उपचार के लिए तीनों को डिफू जिला सदर अस्पताल में डॉक्टरों ने रेफर कर दिया। दुर्घटनाग्रस्त बाइकों दोनों बाइकों का रजिस्ट्रेशन नंबर एएस-09डी-0195 और एएस-25आर-5974 बताया गया है। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

नगर निगम हेरिटेज जयपुर अलर्ट मोड पर: परकोटे में जर्जर भवनों की निगरानी तेज

जयपुर : नगर निगम हेरिटेज प्रशासन ने परकोटे क्षेत्र में स्थित जर्जर भवनों को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। हेरिटेज निगम आयुक्त डॉ. निधि पटेल ने इस संबंध में सभी जोन उपायुक्तों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। आयुक्त ने कहा है कि परकोटे में स्थित सभी जर्जर इमारतों को प्राथमिकता के आधार पर चिह्नित किया जाए और उनकी सूची तत्काल उपलब्ध कराई जाए। साथ ही जिन भवनों की स्थिति बेहद खराब है, उनके मालिकों को कानूनी रूप से पाबंद किया जाए कि वे जल्द से जल्द आवश्यक मरम्मत या ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया शुरू करें। इसके अलावा निगम ने क्षेत्रीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे परकोटे क्षेत्र में नियमित मॉनिटरिंग करें ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना को रोका जा सके। आयुक्त ने स्पष्ट किया कि प्रशासन की प्राथमिकता जनसुरक्षा है और इस दिशा में कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

भूख से जूझते लोगों की संख्या में लगातार तीसरे वर्ष गिरावट, 2024 में वैश्विक स्तर पर सुधार : संयुक्त राष्ट्र

अदीस अबाबा/न्यूयॉर्क : कोविड महामारी के बाद उपजी वैश्विक खाद्य संकट की स्थिति से दुनिया अब धीरे-धीरे उबरती दिख रही है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 में भूख से जूझने वाले लोगों की संख्या लगातार तीसरे वर्ष घटी है। हालांकि अफ्रीका और पश्चिमी एशिया में जलवायु संकट और संघर्ष के चलते कुपोषण की स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। संयुक्त राष्ट्र की पांच एजेंसियों द्वारा संयुक्त रूप से तैयार की गई ₹स्टेट ऑफ फूड सिक्योरिटी एंड न्यूट्रिशन इन द वर्ल्ड₹ रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में लगभग 673 मिलियन (67.3 करोड़) लोग, यानी दुनिया की 8.2 प्रतिशत जनसंख्या, भूख का सामना कर रही थी। यह आंकड़ा 2023 में 8.5% था, जो अब गिरकर 8.2% हो गया है। संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के मुख्य अर्थशास्त्री मैक्सिमो टोरेरो ने कहा कि भारत और दक्षिण अमेरिका में खाद्य पहुंच में सुधार के चलते वैश्विक स्तर पर भूख में यह गिरावट संभव हुई है। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि अफ्रीका और पश्चिम एशिया जैसे क्षेत्रों में जारी संघर्ष, जलवायु परिवर्तन, और ऋण संकट इन सुधारों को पलट सकते हैं। टोरेरो ने इथियोपिया में यूएन खाद्य सम्मेलन के दौरान कहा कि यदि संघर्ष बढ़ता रहा, असुरक्षा और कर्ज का बोझ बढ़ता रहा, तो भूख से जूझने वालों की संख्या दोबारा बढ़ सकती है। रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यह आंकड़े दीर्घकालिक भूख पर केंद्रित हैं। इसमें गाजा जैसे युद्धग्रस्त इलाकों में पैदा हुई तात्कालिक मानवीय आपदाओं का पूरा आकलन नहीं हो पाया है।

उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई नारकोटिक्स कॉर्डिनेशन समिति की बैठक

संवाददाता

सिमडेगा: उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक एम। अर्शी की उपस्थिति में समाहरणालय सभाकक्ष में नारकोटिक्स कॉर्डिनेशन समिति (एनकॉर्ड) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में नशे के अवैध कारोबार को रोकने के लिए रणनीति पर चर्चा की गई। प्रभारी सामान्य शाखा पदाधिकारी ने पूर्व बैठक में दिए गए निदेर्शों के आलोक में की गई कार्रवाई की जानकारी प्रस्तुत की। उपायुक्त महोदया ने युवाओं को नशे की लत से बचाने एवं नशे के व्यापार में संलिप्त लोगों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने ड्रग इंस्पेक्टर को जिले में योजनाबद्ध तरीके से दवा दुकानों की सघन जांच करने, नशे के लिए प्रयुक्त होने वाली दवाओं की विशेष निगरानी रखने तथा उनकी बिक्री और स्टॉक से संबंधित प्रतिवेदन नियमित रूप से जिला स्तर पर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने कार्रवाई की शेड्यूल प्रस्तुत करने एवं अब तक की प्रगति की जानकारी देने को कहा। बैठक में रात्रि के समय सार्वजनिक स्थलों पर असामाजिक तत्वों और युवाओं द्वारा नशे के सेवन की घटनाओं पर विशेष संज्ञान लेते हुए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त महोदया ने जिले के सभी शिक्षण संस्थानों के 100 मीटर परिधि में मादक पदार्थ की बिक्री पर सख्त रोक लगाने को कहा। पुलिस अधीक्षक एम। अर्शी ने सभी थाना प्रभारियों से अपने-अपने क्षेत्रों में मादक पदार्थों के विरुद्ध की गई कार्रवाइयों की समीक्षा की और आगे कड़े कदम उठाने के निर्देश दिए। बैठक में अपर समाहर्ता ज्ञानेन्द्र, जिला परिवहन पदाधिकारी संजय बखला, ड्रग इंस्पेक्टर, सभी थाना प्रभारी, अंचलाधिकारी एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

करैत सांप के डंसने से महिला की मौत, समय पर नहीं पहुंचा एंबुलेंस

संवाददाता

बानो: प्रखंड के सुमिंगबेड़ा सेरेंगछापर गांव में करैत सांप के डंसने से सोमवार देर रात सुशील गुड़िया नामक महिला की मौत हो गई। परिजनों ने समय रहते इलाज कराने की कोशिश की, लेकिन एंबुलेंस की लापरवाही और बिजली की अनुपस्थिति के चलते जान नहीं बच सकी। मिली जानकारी के अनुसार, रविवार रात भोजन के बाद पूरा परिवार सो रहा था। रात लगभग 11 बजे करैत सांप बिस्तर पर चढ़ आया और महिला को डंस लिया। परिजनों ने तत्काल घरेलू उपचार शुरू किया और सांप को खोज कर एक डब्बे में बंद कर दिया। उस समय गांव में बिजली नहीं थी, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई।परिजनों ने 108 एंबुलेंस सेवा को फोन किया, लेकिन एंबुलेंस गाँव नहीं पहुँची। सोमवार सुबह करीब 10:30 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बानो के चिकित्सा प्रभारी डॉ। मनोरंजन कुमार को फोन कर सूचना दी गई। डॉक्टर ने अस्पताल से एंबुलेंस भेजा, लेकिन परिजनों ने निजी वाहन से लाने की बात कही, जिससे एंबुलेंस वापस लौट गया। डॉ। जावेद के अनुसार, जब तक महिला को अस्पताल लाया गया, तब तक काफी देर हो चुकी थी और उसने दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि अगर समय रहते इलाज मिलता, तो जान बचाई जा सकती थी। बानो थाना के एसआई शंकर बाखला ने अस्पताल पहुंचकर कागजी प्रक्रिया पूरी की और शव को पोस्टमार्टम के लिए सिमडेगा भेजा। चिकित्सा विभाग के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति सांप काटे हुए मरीज को निजी वाहन से अस्पताल पहुंचाता है, तो उसे 750 रूपये की सहायता राशि दी जाती है।

वायु सेना में भर्ती के लिए अग्निपथ योजना के तहत रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 31 जुलाई

लोहरदगा: अग्निवीर वायु इंटेक 02/2026 (अग्निपथ योजना) अंतर्गत भर्ती के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 11 जुलाई 2025 से प्रारंभ हो चुकी है। इच्छुक अविवाहित युवक-युवतियां अंतिम तिथि 31 जुलाई 2025 के रात्रि 11 बजे तक अपना आवेदन ऑनलाईन समर्पित कर सकते हैं। ऑनलाईन परीक्षा 25 सितंबर 2025 से प्रारंभ होगी। अग्निवीर वायु के भर्ती प्रक्रिया में फेज-1 में ऑनलाईन टेस्ट होगा। फेज-2 में शैक्षणिक योग्यता संबंधित जांच के बाद फिजिकल फिटनेस टेस्ट आयोजित की जाएगी। इसके अंतर्गत 1।6 किमी की दौड़ होगी। इसी फेज में पुरुष वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए पुश-अप, सिट-अप और स्क्वेट्स तथा महिला अभ्यर्थियों को सिट-अप और स्क्वेट्स टेस्ट से गुजरना होगा। फेज-थ्री में अभ्यर्थियों की मेडिकल जांच की जाएगी। आवेदन के लिए आवेदक का जन्म 02 जुलाई 2005 से 02 जनवरी 2009 के बीच हुआ होना चाहिए। आवेदक गणित, भौतिकी, व अंग्रेजी विषय के साथ 12 वीं/10+2 की परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। अंग्रेजी विषय मे कम से कम 50% अंक होना चाहिए। या इंजीनियरिंग में तीन वर्षीय डिप्लोमा कोर्स या गैर-व्यावसायिक विषयों के साथ दो वर्षीय डिप्लोमा कोर्स पूर्ण हो। अंग्रेजी विषय मे कम से कम 50% अंक होना चाहिए। या किसी भी विषय मे इंटरमीडिएट/10+2/समकक्ष परीक्षा में 50 प्रतिशत अंक। साथ ही अंग्रेजी विषय मे कम से कम 50 प्रतिशत अंक होना अनिवार्य है। नियुक्ति से संबंधित सम्पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाइट पर लॉग-इन किया जा सकता है।

बंदोबस्त जमीन को ऑनलाइन कर रसीद निर्गत करें अंचल अधिकारी: अनीता देवी

लातेहार: उपाध्यक्ष जिला परिषद् अनीता देवी ने कहा कि यदि जमीन पूर्व में किसी सुयोग्य श्रेणी के रैयत के साथ बंदोबस्त की गई है, तो उसे ऑनलाइन रजिस्टर टू में दर्ज करते हुए उसकी रसीद निर्गत करने की आवश्यकता है । इस कार्य के लिए कई रैयत अंचल कार्यालयों का वर्षों से चक्कर लगा रहे हैं । ऐसी स्थिति में इससे एक तरफ जहां जमीन विवाद बढ़ने की आशंका है, वहीं दूसरी तरफ प्रशासन के प्रति आमजनों का नकारात्मक रवैया पैदा होता है। अतः श्रीमान से अनुरोध है कि कैंप मोड में इस प्रकार के बंदोबस्त जमीनों का लगान रसीद निर्गत की जाये।

राज्य में अभी बारिश से राहत नहीं, कई जिलों में येलो अलर्ट जारी

रांची: झारखंड में लोगों को अभी भी बारिश से राहत नहीं मिल रही है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे में बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने कई जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं कुछ जगहों पर तेज हवाओं के साथ वज्रपात की भी आशंका है। इसलिए लोगों से सतर्क रहने को कहा गया है। इस मानसून में अब तक झारखंड के 8 जिलों में बहुत अधिक बारिश देखने को मिली है जिसमें पूर्वी सिंहभूम में सबसे अधिक बारिश देखने को मिल रही है। पिछले 24 घंटे में राजधानी रांची के अलावा अन्य क्षेत्रों में मौसम साफ रहा और कहीं- कहीं छिटपुट बारिश हुई जिसमें झींकपानी में लगभग 75 मिमी बारिश हुई और संताल परगना के क्षेत्रों में लगभग 60 से 70 मिमी बारिश हुई। वहीं सबसे अधिक अब तक के मानसून में पूर्वी सिंहभूम (घाटशिला) में 192.6 मिमी और टाटानगर में 125.8 मिमी बारिश हुई है। मौसम विभाग ने कल यानी मंगलवार को भी राजधानी रांची सहित रामगढ़, हजारीबाग, गिरिडीह, देवघर, पाकुड़, आदि जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है।

कांवड पदयात्रा की सफलता को लेकर सम्मान समारोह का आयोजन

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा: कांवड पदयात्रा की सफलता को लेकर सम्मान समारोह का आयोजन दोमुहानी धाम मंदिर के परिसर में किया गया। उक्त सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि मंदिर के मुख्य पुजारी भगत बाबा सुंदेश्वर थे। समारोह को लेकर बैठक की अध्यक्षता चंदवारा प्रखंड के प्रमुख मंजू देवी की अगुवाई में हुई और बैठक की शुरूआत मंत्रो उच्चारण के साथ हुई ।मंत्र का उच्चारण करते हुए विश्व हिंदू परिषद दुर्गा वाहिनी मातृशक्ति झारखंड प्रांत के सह प्रमुख योगाचार्य सुषमा सुमन ने की। बैठक का संचालन पूर्व प्रमुख महेंद्र यादव और योगाचार्य प्रदीप कुमार सुमन ने संयुक्त रूप से किया। पुजारी भगत बाबा को अंग वस्त्र और एक लाठी देकर सभी बहनों ने सम्मानित किया। पुजारी बाबा ने उपस्थित भक्तों को संबोधित करते हुए कहा कि धर्म से ही राष्ट्र की पहचान है और राष्ट्र तभी बचेगा जब आपकी धर्म मजबूत रहेगा। यह जो कार्यक्रम शुरूआत हुई है धर्म को मजबूती इससे मिलेगा और आने वाले पीढ़ी धर्म से जुड़े रहेगा इसलिए सभी कार्यकर्ता को बहुत -बहुत धन्यवाद देता हूं। और खासकर योगी प्रदीप कुमार सुमन को विशेष आशीर्वाद देता हूं जो यह कार्य कांवर पदयात्रा का सूत्रधार रहे, चंदवारा प्रखंड प्रमुख मंजू देवी संबोधित करते हुए बोली कांवर पदयात्रा जो शुरूआत हुई यह प्रत्येक वर्ष होगा। और जो इसमें मूल सुविधा की जरूरत होगी पूरा सहयोग किया जाएगा और धर्म और सनातन के लिए यह कार्य बहुत सराहनीय कार्य रहा, पूर्व प्रमुख महेंद्र यादव ने भी कार्य को सराहना किये और बोले इस बार प्रथम शुरूआत थी। अगले वर्ष से और प्रचार प्रसार पर मजबूती किया जाएगा और प्रत्येक पंचायत से 11 सदस्य की एक समिति भी बनाया जाएगा, विश्व हिंदू परिषद दुर्गा वाहिनी मातृशक्ति सह प्रमुख झारखंड प्रांत के सुषमा सुमन ने संबोधित करते हुए बोली चंदवारा प्रखंड के प्रत्येक पंचायत में बेटियों लोग के लिए लाठी अभ्यास सत्र भी रखा जाएगा और इसकी शुरूआत आज से हो गई और उसके बाद सभी पंचायत में अभ्यास सत्र के बाद एक प्रतियोगिता रखी जाएगी इससे बेटी लोग का उत्साह बढ़ेगा और साथ में आत्मरक्षा से लेकर सशक्त भी बनेगी, इस कार्यक्रम के सूत्रधार प्रदीप कुमार सुमन ने बताया कि इस कार्यक्रम में रात दिन मेहनत किये उस कार्यकर्ता को मुख्य अतिथि के द्वारा एक अंग वस्त्र और एक लाठी देकर के सम्मानित किया गया। सम्मान पाने वाले लगभग 60 सदस्य थे। सभी लोग को अंग वस्त्र और एक दंड देकर के सम्मानित किया गया। मौके पर प्रमुख चंदवारा मंजू देवी विश्व हिंदू परिषद के योगाचार्य सुषमा सुमन पूर्व प्रमुख लीलावती देवी पूर्व प्रमुख महेंद्र यादव प्रदीप कुमार सुमन चंदवारा पश्चिमी मुखिया संतोष कुशवाहा, विजय मोदी, छोटेलाल मोदी, अज्जू सिंह, विजेंद्र यादव, रामप्रसाद यादव, भोलाराम कृष्ण राणा विजय बरनवाल सुरेश प्रसाद यादव केदार पंडित संजीव कुमार रोशन कुमार पासवान इंद्रदेव पांडे, कुलदीप राजा, रवि विश्वास, भवानी राजा के शंकर मोदी रेणु देवी अनु कुमारी, कुमारी शालिनी, शोभित बरनवाल, नागेश्वर रविदास, वीरेंद्र शाह, रामचंद्र साव, बद्री यादव, दिनेश राणा, राजकुमार बरनवाल, गोरी मोदी, नरेश प्रसाद बरनवाल, सम्राट सिंह, अमित राज बैठक में सैकड़ो की संख्या उपस्थित थे।

रोटरी क्लब सहेली सेंटर का सावन मिलन पर रंगारंग कार्यक्रम

कोडरमा: रोटरी सहेली सेंटर में सावन मिलन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। सहेली सेंटर की अध्यक्ष माला दारूका एवं सचिव आरती आर्य के निर्देशन में कई प्रेरणादायक और मनोरंजक कार्यक्रम किए गए नृत्य, संगीत और मनोरंजक खेलों की प्रस्तुति सेंटर की छात्राओं व शिक्षिकाओं द्वारा दी गई। इस कार्यक्रम का मन्च संचालन उषा शर्मा और रिशू कुमारी ने किया। सेन्टर की सचिव आरती आर्या के द्वारा पश्न प्रतियोगीता किया गया जिसमे प्रथम स्थान प्रतिमा दास गुप्ता , द्वितिय स्थान रिशू कुमारी और तृतिय स्थान खुशबू कुमारी के द्वारा प्राप्त किया गया। खेल प्रत्योगिता में प्रथम स्थान पूजा कुमारी और द्वितिय स्थान रौशनी कुमारी ने प्राप्त किया। इस कार्यक्रम रोटरी सहेली सेन्टर की अध्यक्ष माला दारुका, कविता दारुका तथा शिक्षिकाएँ प्रतिमा दास गुप्ता, उषा शर्मा और पिंकी देवी एव छात्राए खुशी कुमारी, काजल कुमारी, जयमाला सिंह , सिमरन कुमारी, आयुशी कुमारी, वैष्णवी कुमारी, सुनीता देवी, चन्दा कुमारी कार्यक्रम में उपस्थित थी। कार्यक्रम का माहौल उत्साहपूर्ण व सांस्कृतिक रंगों से सराबोर रहा।

जिले में बाल तस्करी से संबंधित घटनाओं में वृद्धि हुई है : पूनम

बच्चों की सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए साहिबगंज में चला विशेष जागरूकता अभियान

साहिबगंज:जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी के निदेर्शानुसार बाल संरक्षण इकाई व चाइल्ड हेल्पलाइन के संयुक्त तत्वावधान में प्रोविडेन्स स्कूल साहिबगंज में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उद्देश्य बच्चों को उनके अधिकारों, सुरक्षा और संरक्षण संबंधी विभिन्न पहलुओं के प्रति जागरूक बनाना था। कार्यक्रम के दौरान गुड टच-बैड टच, बाल विवाह, बाल श्रम, बाल शोषण, पोक्सो एक्ट, नशा मुक्ति, स्पॉन्सरशिप, फोस्टर केयर, आफ्टर केयर, दत्तक ग्रहण, व किशोर न्याय अधिनियम आदि विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई।कार्यक्रम का नेतृत्व करते हुए जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी ने बच्चों को संबोधित करते हुए बताया कि हाल के दिनों में साहिबगंज जिले में बाल तस्करी से संबंधित घटनाओं में वृद्धि देखी गई है। उन्होंने बाल विवाह, बाल मजदूरी एवं शोषण जैसे गंभीर मुद्दों पर चिंता जताते हुए कहा कि इन कुरीतियों को खत्म करने के लिए समाज के सभी वर्गों को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने बाल विवाह की कानूनी परिभाषा स्पष्ट करते हुए बताया कि लड़कों के लिए 21 वर्ष एवं लड़कियों के लिए 18 वर्ष से कम उम्र में विवाह करना कानूनन अपराध है।बाल संरक्षण पदाधिकारी ने बच्चों को चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 की जानकारी देते हुए कहा कि यदि कोई बच्चा किसी भी परिस्थिति में खुद को असुरक्षित महसूस करता है।चाहे वह ट्रेन में हो या कहीं और, तो वह इस नंबर पर संपर्क कर सहायता प्राप्त कर सकता है। साथ ही, बच्चों को नजदीकी पुलिस स्टेशन, बाल कल्याण समिति या जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी से भी मदद लेने की सलाह दी गई। विशेष रूप से बालिकाओं के सशक्तिकरण पर जोर देते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनने तथा कठिन परिस्थितियों का डटकर सामना करने के लिए प्रेरित किया गया। पोक्सो एक्ट से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां भी साझा की गईं। जिससे बच्चों को अपने अधिकारों और कानूनी सुरक्षा के बारे में स्पष्ट जानकारी मिल सके।इस अवसर पर संरक्षण पदाधिकारी गैर संस्थागत देखरेख चंदा कुमारी एवं शोभा कुमारी, बाल संरक्षण इकाई की कर्मी बिंदु कुमारी और मीना ओझा, चाइल्ड हेल्पलाइन के पर्यवेक्षक अवधेश कुमार, केस वर्कर संजीव कुमार सहित स्कूल के प्राचार्य शिक्षक एवं शिक्षिकाएं भी उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

रेलवे स्टेशन साहेबगंज में बाल संरक्षण पर कोऑर्डिनेशन बैठक आयोजित

साहिबगंज :रेलवे स्टेशन अधीक्षक कार्यालय में रेलवे प्रशासन एवं बाल संरक्षण इकाइयों के संयुक्त प्रयास से एक समन्वय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता रेलवे स्टेशन अधीक्षक श्री राज हांस पाठक ने की, जिसमें जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी श्रीमती पुनम कुमारी, चाइल्ड हेल्पलाइन परियोजना समन्वयक, रेलवे चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के कर्मी आरपीएफ तथा जीआरपी के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य रेलवे स्टेशन परिसर में बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करना तथा बाल श्रम, बाल विवाह, बाल तस्करी और बच्चों के शोषण से संबंधित मामलों की रोकथाम के लिए साझा रणनीति तैयार करना था। चर्चा के दौरान यह सहमति बनी कि जोखिमग्रस्त अथवा भटके हुए बच्चों की समय पर पहचान और उन्हें त्वरित सहायता प्रदान करने की दिशा में समन्वित प्रयास जरूरी हैं।

जनता दरबार में सिर्फ सुनवाई नहीं कार्रवाई भी होती है: दीपिका पांडे सिंह

संवाददाता

रांची: झारखंड में आम लोगों की समस्याओं के निराकरण के लिए प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय रांची में आज जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में झारखंड की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने लोगों की समस्याओं को सुना तथा उसके समाधान के लिए संबद्ध अधिकारियों को तीव्र गति से आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि मंत्री दीपिका पांडे सिंह के समक्ष लगभग 52 लोगों ने अपनी समस्याओं को रखा। इसमें प्रमुख रूप से सड़क निर्माण, नियुक्ति, मईया सम्मान योजना, जमीन संबंधी, अबूआ आवास, विभिन्न थानो से संबंधित मामले, आधार केंद्र में अवैध रूप से बहाली, स्थानांतरण,सेवा बहाली, हजारीबाग में पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय के बी सहाय की क्षतिग्रस्त प्रतिमा के निर्माण तथा अपराधियों के गिरफ्तारी की मांग से संबंधित आवेदन आए।

जनता दरबार में सिर्फ सुनवाई नहीं होती बल्कि कार्रवाई भी होती है : सोनाल शांति ने कहा कि इसमें से कई मामलों में उन्होंने अधिकारियों को त्वरित संज्ञान लेने तथा जो प्रक्रिया के तहत होने वाले कार्य हैं उसकी प्रक्रिया में तीव्रता लाने का निर्देश अधिकारियों को दिया। वहीं, जनता दरबार के पश्चात दीपिका पांडे सिंह ने संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि जनता दरबार में सिर्फ सुनवाई नहीं होती बल्कि कार्रवाई भी होती है। उन्होंने बताया कि पिछले जनता दरबार में एक मामला आया था जिसमें हिंदी की इरम परवीन नामक महिला की

तीन माह की बच्ची को पति द्वारा कश्मीर ले जाने का मामला आया था जिस पर रांची पुलिस से संज्ञान लेने का निर्देश दिया गया था, जिस पर कार्रवाई करते हुए रांची पुलिस ने महिला को उसकी बच्ची को वापस दिलाया। मंत्री सिंह ने कहा कि जनता दरबार में कई मामले ऐसे आते हैं जिनका तत्काल निपटारा हो जाता है, कई मामले ऐसे होते जो लंबी प्रक्रिया वाले होते हैं उसके त्वरित प्रक्रिया के लिए निर्देशित किया जाता है और उनकी निगरानी भी की जाती है। आज कई छात्रों के मामले ऐसे आए जिसमें जेएसएससी द्वारा ली गई अलग-अलग परीक्षाओं में अभ्यर्थी सफल हो गए लेकिन उनके प्रमाण पत्र का सत्यापन नहीं किया जा सका है इस संबंध में निर्देशित किया जाएगा और यह जल्द हो इसकी कोशिश की जाएगी।

झारखंड विधानसभा सत्र के लिए हेमंत सरकार तैयार है : मंत्री सिंह ने कहा कि झारखंड विधानसभा सत्र के लिए सरकार तैयार है। सदन में अनुपूरक बजट भी आना है। सत्र में कई मामले ऐसे भी आएंगे जो पिछले सत्र से लेकर आहूत सत्र के बीच का है सरकार सत्र को लेकर पूरी गंभीर है और हम चाहते हैं कि सत्र पूरी संजीदगी से चले। झारखंड विश्वविद्यालय विधेयक के संदर्भ उन्होंने कहा कि बिल तैयार है और सदन के पटल पर रखा जाना है यह विधेयक बहुत महत्वपूर्ण है और इससे क्रांतिकारी बदलाव उच्च शिक्षा में आयेगा। अगर शिक्षा जगत में सुधार की कवायद राज्य सरकार कर रही है तो विपक्ष को इसमें सहयोग करना चाहिए। चुनाव आयोग द्वारा कराए जा रहे एस ए आर पर उन्होंने कहा कि आनन-फानन में जिस तरह की कार्रवाई की जा रही है उस पर हमारा विरोध है। वोटों को कम करने का प्रयास बिहार में किया जा रहा है। पहले नोटबंदी की गई थी और अब वोटबंदी की जा रही है ताकि किसी भी तरह भाजपा सत्ता पर काबिज हो सके।